door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 03 | गुवाहाटी | मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

गरीब, किसान और मध्यवर्ग के लिए बजट में कुछ नहीं : राहुल गांधी — पेज 2
राज्यपाल कटारिया ने तीन कुलपतियों को दिलायी शपथ — पेज 3
उत्तर प्रदेश के विकास में सत्ता और विपक्ष के सभी सदस्यों का मिले ... — पेज 5
क्रिकेट का ओलंपिक हिस्सा बनना सचमुच अभूतपूर्व : राहुल द्रविड़ — पेज 7

एपीएससी घोटाला में तत्कालीन अध्यक्ष को 14 साल की जेल

बसंत कुमार दलै और समेदुर रहमान को 10-10 साल कैद, 29 अन्य दोषी करार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के बहुचर्चित कृषि विकास अधिकारी भर्ती घोटाले में दोषी करार दिए गए 32 लोगों को सोमवार को असम की विशेष कोर्ट ने सजा सुना दी है। एपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष राकेश पाल को 14 साल की सजा और दो लाख रुपए नकद का जुर्माना सुनाया गया है। जबकि एपीएससी सदस्य बसंत कुमार दलै और समेदुर रहमान को 10-10 साल कैद की सजा और 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में शेष 29 राजपत्रित अधिकारियों को 4-4 साल की कैद और 10-10 हजार रुपए का जुर्माना सुनाया है। दरअसल, वर्ष 2017 में भांगागढ़ थाने में एक असफल अभ्यर्थी ने एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राकेश कुमार पॉल के चेयरमैन रहते हुए कृषि विकास अधिकारियों की नियुक्ति के नाम पर बड़े पैमाने पर धन का लेन-देन हुआ। इस संबंध में दर्ज मामले के आधार पर राकेश कुमार पाल समेत कई आरोपितों को पहले भांगागढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस ने 44 लोगों को आरोपित बनाया था, जिनमें आयोग के चार सदस्य और एक कर्मचारी, तीन बिचौलिए और 36 अभ्यर्थी शामिल थे। विशेष कोर्ट में लंबी सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने साक्ष्य के अभाव में 11 अन्य आरोपितों को बरी कर दिया था, जबकि एपीएससी सदस्य बिनीता रिंझा सरकारी गवाह बन गई थीं। कोर्ट ने 22 जुलाई को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत एपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष राकेश पॉल समेत कुल 32 लोगों को दोषी ठहराया था। इस मामले में सोमवार को विशेष न्यायाधीश ने

फोटो : दशरथ डेका

एपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष राकेश पाल को 14 साल की सजा, एपीएससी के सदस्य बसंत कुमार दलै और समेदुर रहमान को 10-10 साल सजा सुनाई है। इस मामले में शेष 29 राजपत्रित अधिकारियों को चार-चार साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने राकेश कुमार पाल पर दो लाख रुपए, सदस्य बसंत कुमार दलै और समेदुर रहमान पर 50-50 हजार रुपए और अन्य पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। उल्लेखनीय है कि नौकरी पाने में एक असफल अभ्यर्थी ने पहले अंकों के सारणीकरण में बदलाव से संबंधित जानकारी के लिए एक आरटीआई से सूचना एकत्र की थी। इसके बाद आरटीआई से प्राप्त सूचना के आधार पर शिकायत दर्ज कराई थी।

राज्य में बेरोजगारी दर घटकर 6.1 प्रतिशत हुई, आगे और घटेगी : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में बेरोजगारी दर धीरे-धीरे कम हो रही है और वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह 6.1 प्रतिशत रहेगी। शर्मा ने कहा कि भाजपा का एक प्रमुख चुनावी वादा और शासन पर फोकस बेरोजगारी कम करना और राज्य के युवाओं को विकास के पर्याप्त अवसर प्रदान करना है। तीन वर्षों के बाद आंकड़े स्वयं ही सब कुछ बयां कर रहे हैं; बेरोजगारी दर घटकर 6.1 प्रतिशत रह गई है तथा आने वाले दिनों में इसमें और गिरावट आएगी, जब हमारे नीतिगत हस्तक्षेपों के परिणाम सामने आने लगेंगे। उन्होंने एक्स पर -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में खत्म होगी वीआईपी संस्कृति

सरकारी कार्यक्रमों में मिलेगा शाकाहारी भोजन : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (एजे / हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य सरकार वीआईपी संस्कृति को समाप्त कर देगी। विश्व शर्मा ने गुहाहाटी में जिला आयुक्तों के सम्मेलन (डीसीसी) में बोलते हुए यह घोषणा की। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारी सरकार वीआईपी कल्चर खत्म करेगी। हम मुख्यमंत्री की सुरक्षा से जुड़े वाहनों और बैरिकेड्स में कटौती कर रहे हैं। असम के सीएम ने आगे कहा कि अब से हर सरकारी कार्यक्रम में केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन ही परोसा जाएगा। शर्मा ने आगे बताया कि सभी अधिकारियों को मेरा निर्देश स्पष्ट है- सरकारी कार्यों के लिए अनावश्यक फिजूलखर्ची न करें। हमें पहले के -शेष पृष्ठ दो पर

तीस्ता जल बंटवारे पर भारत-बांग्लादेश के बीच किसी भी समझौते का विरोध करूंगी : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अपने सरकार के इस रुख को स्पष्ट किया कि वह भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के जल साझा करने के किसी भी समझौते का विरोध करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह बांग्लादेश के लोगों से प्यार करती हैं लेकिन तीस्ता का पानी साझा करने का मतलब उत्तर बंगाल को पीने के पानी से भी वंचित करना होगा, सिंचाई की तो बात ही छोड़ दें। पश्चिम बंगाल विधानसभा में कटाव नियंत्रण और बाढ़ रोकथाम पर एक प्रस्ताव पर बनर्जी ने कहा कि तीस्ता नदी में सर्दियों और गर्मियों के मौसम में बहुत कम पानी होता है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार को भारत और बांग्लादेश के बीच फरक्का संधि के नवीनीकरण पर चर्चा में आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि उनका राज्य इस मुद्दे का एक प्रमुख हितधारक -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

अब से एससी में पहली बार शुरू हुई पांच दिवसीय विशेष लोक अदालत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार विवादों के सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान के लिए सोमवार को दोपहर दो बजे से विशेष लोक अदालत की शुरुआत की, जिसमें मीडिया कैमरों को भी अदालत कक्षों के अंदर जाने की अनुमति दी गई है। 29 जुलाई से लेकर 3 अगस्त तक चलने वाली इस विशेष लोक अदालत में हजारों मामले निपटने की उम्मीद है। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट अपनी 75वीं वर्षगांठ पर पहली बार पांच दिवसीय विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक, कहा-

चीन के साथ हमारा एक मुद्दा, समाधान हम दोनों को ही निकालना है

नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा मुद्दे पर कहा है कि चीन के साथ हमारा एक मुद्दा है और इसका समाधान हम दोनों को ही निकालना है। हम भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। विदेश मंत्री ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है। टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में दस दिन बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बहाल

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में देशव्यापी हिंसा और आगजनी के चलते 10 दिन मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रखने के बाद रविवार को बहाल कर दी गई। ज्ञात रहे कि पड़ोसी बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द पूरे देश में हिंसा में तब्दील हो गई। सरकार ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। खबर के अनुसार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक ने संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि सेवाएं बहाल होने के बाद तीन दिन तक सभी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मनुष्य का जीवन इसलिए है कि वह अत्याचार के खिलाफ लड़े।
– **सुभाषचंद्र बोस**

न्यूज गैलरी

सोपोर में रहस्यमयी विस्फोट, चार लोगों की मौत

जम्मू। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सोमवार दोपहर को रहस्यमयी विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शायर कॉलोनी सोपोर में एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बाद में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने -शेष पृष्ठ दो पर

कोचिंग रिटर्न देने वाला एक समृद्ध उद्योग बन गया है : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में सोमवार को दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में जलभराव के कारण यूपीएससी अभ्यर्थियों की दुखद मृत्यु पर राज्यसभा के नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा हुई। चर्चा की अनुमति देते हुए राज्यसभा के सभापति जगदीप धाखड़ ने टिप्पणी की कि मुझे लगता है कि देश के युवा जनसांख्यिकीय लाभांश को पोषित करना अति आवश्यक है। मैंने पाया है कि कोचिंग अब व्यापार बन गया है। धनखड़ ने कोचिंग सेंटरों द्वारा अखबार के विज्ञापनों पर किए जाने वाले भारी खर्च पर भी चिंता व्यक्त की, जो छात्रों से ली जाने वाली भारी फीस से किया जाता है। उन्होंने कहा कि कोचिंग उच्च रिटर्न के साथ एक समृद्ध उद्योग बन गया है। हर बार जब हम अखबार पढ़ते हैं तो पहले एक या दो पन्नों में कोचिंग विज्ञापन जरूर होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विज्ञापन पर खर्च किया गया एक-एक पैसा छात्रों की फीस से आ रहा है, हर नई इमारत छात्रों से आ रही है। कोचिंग कल्चर के कारण देश में बनाए गए साइलो की तुलना *गैस चैंबर्स* से करते हुए सभापति ने कहा कि हमारे देश में जहां अवसर बढ़ रहे हैं, ऐसे साइलो बड़ी समस्या -शेष पृष्ठ दो पर

अब से गुरुद्वारे में नहीं फहराया जाएगा भगवा झंडा, एसजीपीसी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। खालसा की शान और सम्मान का प्रतीक निशान साहिब का रंग अब केसरिया नहीं होगा, बल्कि इसका रंग बसंती होगा। जी हां, ये हम नहीं कह रहे हैं बल्कि सिखों की सबसे प्रमुख संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की ओर से एक पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है। यह फैसला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने श्री अकाल तख्त साहिब में हुई पांच सिंह साहिबान की बैठक के बाद लिया है। शिरोमणि समिति द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, श्री अकाल तख्त साहिब, श्री अमृतसर साहिब से प्राप्त परिपत्र संख्या: एटी/24/206/17-07-2024 के अनुसार, माननीय पांच सिंह साहिबानों की बैठक में पारित प्रस्ताव संख्या : 03/15-07 यह निर्णय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ड्रग्स समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीए), असम की टीम ने अभियान चलाकर हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि सोमवार को वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जवाहरनगर इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के किनारे चलाए गए। अभियान के दौरान 32 प्लास्टिक की छोटी-छोटी शीशी में भरकर रख गए 55 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रिंकू कलिता (27 छगांव) के रूप में की गई है,। एसटीएफ ने गिरफ्तार आरोपी को ड्रग्स समेत स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस के साथ एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

यह जो चुनाव था ये भाजपा को हराने का चुनाव था : चौटाला

जींद (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक दुष्यंत चौटाला सोमवार को उचाना हलके के भौंसला, उचाना कलां, उचाना मंडी सहित विभिन्न गांव के पहुंचे। यहां पर कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी मन की बात जानने के साथ-साथ उनको विस चुनाव की तैयारियों में लग जाने की बात कही। उचाना कलां में अनिल शर्मा के आवास पर पहुंचे दुष्यंत चौटाला का स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं के बूते पर बीते विस चुनाव में 16 प्रतिशत मत एवं 10 विधायक पार्टी के बने। लोकसभा चुनाव एंव विस चुनाव में काफी अंतर होता है। ये जो चुनाव था ये भाजपा को हराने का चुनाव था। सत्ता का हिस्सा रहते हुए विकास के कामों में कोई कमी नहीं आने दी गई।

चक्रव्यूह में घेर रही सरकार

गरीब, किसान और मध्यवर्ग के लिए बजट में कुछ नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार देश की जनता को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में घेर रही है। केंद्र सरकार के बजट में गरीबों, किसानों और मध्यवर्ग के लिए कुछ नहीं है। लोकसभा में बजट चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कुरुक्षेत्र में कौरवों द्वारा चक्रव्यूह में घेरकर मारे गए अभिमन्यु का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हजारों साल पहले अभिमन्यु को चक्रव्यूह में 6 लोगों ने मारा था। चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के शेप में होता है। 21वीं सदी में एक और चक्रव्यूह तैयार किया गया है। वही हिन्दुस्तान के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने इस बजट में अब तक का शिक्षा में सबसे कम बजट आवंटित किया है। बजट में अग्निवीरों के लिए कुछ नहीं है। बजट में मध्यम वर्ग को कुछ नहीं दिया है बल्कि उन पर दोहरा वार किया गया है। इस बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडेक्सेशन और कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाकर मध्यम वर्ग के लोगों पर ही प्रहार किया है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में वादा किया कि आईएनडीआई गठबंधन की सरकार आने पर किसानों से कानूनी गारंटी दी जाएगी। उन्होंने इस बात को उठाया कि 20 अफसरों ने देश का बजट बनाने का काम किया है। इन 20 अफसरों में से सिर्फ एक अल्पसंख्यक और एक ओबीसी है। राहुल गांधी के भाषण के अंत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना पर टिप्पणी की है। अगर अध्यक्ष अनुमति दें तो वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने के लिए तैयार हैं। अग्निवीर एक गंभीर मुद्दा है। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने दावा किया था कि शहीद अग्निवीर को मुआवजा मिला है लेकिन वे बताना चाहते हैं कि उन्हें मुआवजा नहीं, बल्कि बीमा मिला है। राहुल के भाषण के दौरान कई बार अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें नियम प्रक्रिया को पढ़ने और उसके तहत आचरण करने की सलाह दी। उन्होंने राहुल गांधी के दो उद्योगपतियों के नाम लिए जाने पर आपत्ति जताई। राहुल गांधी ने मीडिया का विषय उठाया तो अध्यक्ष ने उन्हें व्यक्तिगत तौर पर मिलने की सलाह दी। राहुल के किसानों को उनसे मिलने संसद में नहीं आने देने का मुद्दा उठाने पर अध्यक्ष ने कहा कि वे असत्य न बोलें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सदन के भीतर सदस्यों के अलावा कोई मीडिया को बाइट नहीं दे सकता और उनकी मौजूदगी में ऐसे हुआ। इस पर राहुल ने कहा कि वे इससे अनभिज्ञ थे।

बंगाल विभाजन का सपना देखने वालों को जवाब दूंगी : ममता

कोलकाता (हि.स.)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को विधान सभा में भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा *विभाजन की राजनीति* कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरी बंगाल के साथ-साथ उत्तर बंगाल बजट में उपेक्षित रहा है, जबकि यहां से भाजपा ने सबसे अधिक सीटें जीतीं। ममता बनर्जी ने चुनौती देते हुए कहा कि बंगाल को विभाजित करने का प्रयास किया गया तो मैं दिखाऊंगी कि कैसे इसे रोका जाता है। नीति आयोग की बैठक में ममता बनर्जी का माइक बंद करने के आरोप पर आज बंगाल विधान सभा में निंदा प्रस्ताव लाया गया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब उत्तर बंगाल के बालुरघाट से सांसद और उत्तर-पूर्व विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उत्तर बंगाल की केंद्रीय परियोजनाओं को उत्तर-पूर्व भारत की परियोजनाओं में शामिल करने का प्रस्ताव दिया। सोमवार को विधान सभा में ममता बनर्जी ने इस प्रस्ताव के खिलाफ अपनी आवाज उठाई और सुकांत के बयान का विरोध किया। सुकांत ने ममता के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि बंगाल विभाजन का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी गैरजरूरी बातें कर रही हैं और यह कोई निर्णय नहीं है। इससे पहले शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक में ममता बनर्जी ने माइक बंद करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज दबाई गई और उनका अपमान किया गया। इस पर तृणमूल कांग्रेस आज विधान सभा में निंदा प्रस्ताव लाई, जिसका भाजपा ने विरोध करके विधान सभा से वाकआउट किया। केंद्रीय बजट में उत्तर बंगाल की उपेक्षा पर ममता ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उत्तर बंगाल को बजट में कुछ भी नहीं दिया, जबकि उनकी सरकार ने उत्तर बंगाल के बुनियादी ढांचे के विकास पर एक लाख 64 हजार 764 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा को उत्तर बंगाल से इतनी सीटें मिलने के बावजूद, उन्होंने विभाजन की राजनीति शुरू कर दी है। ममता बनर्जी ने विधान सभा में जोर देते हुए कहा कि बंगाल विभाजन के खिलाफ विधान सभा में चर्चा होनी चाहिए। वोटिंग होनी चाहिए। विधान सभा को बाईपास करके बंगाल विभाजन की बात नहीं की जा सकती।

कनाडा के कैलगरी में भारत विरोधी तमाशा, खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह

कैलगरी (कनाडा) (हि.स.)। कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रहीं। अब यहां के कैलगरी में खालिस्तान पर जनमत संग्रह का तमाशा देखने को मिला। इसमें हिस्सा लेने के लिए कनाडा में रह रहे हजारों सिख कैलगरी के म्यूनिसिपल प्लाजा पहुंचे। यह प्लाजा स्थानीय संयुक्त राज्य राजनयिक मिशन के सामने है। पाकिस्तान के जियो चैनल ने 28 जुलाई को अपनी वेबसाइट पर इस बारे में विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, इसका आयोजन खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) समूह ने किया। समूह ने इसका आयोजन अल्बर्टा प्रांत के सिखों की राय जानने के लिए किया। अनुमानतः 10 लाख सिख कनाडा और लगभग एक लाख कैलगरी में रहते हैं।

योगी सरकार बच्चों में भर रही *सामुदायिक सहभागिता* के भाव

लखनऊ (हिंस)। योगी सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में *शिक्षा सप्ताह* मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सातवें दिन *सामुदायिक सहभागिता दिवस* मनाया गया। इसके जरिए परिषदीय स्कूलों के बच्चों को निपुण बनाने के लिए उनमें *सामुदायिक सहभागिता* के भाव बोए गए। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने न सिर्फ अपने ज्ञान, कौशल व अनुभव को बच्चों के साथ साझा किया बल्कि शिक्षा चौपाल का आयोजन कर उन्हें शिक्षा के महत्व को भी बताया गया। परिषदीय बच्चों को शिक्षित करने में अपना योगदान देने वाले सक्रिय वालंटियर्स के नामों को विद्यालय की *सम्मान की दीवार* या *सूचना पट्ट* पर अंकित करने का काम हुआ तो बच्चों को निपुण बनाने के लिए रैलियां निकालकर उन्हें जागरूक किया गया। इतना ही नहीं, नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर उनमें सामुदायिक सहभागिता के भाव भरे गए। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के अनुसार शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग 22 से 28/29 जुलाई के बीच परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में *शिक्षा सप्ताह* मनाया गया है। इसके लिए अलग-अलग दिनों के लिए अलग-अलग गतिविधियां और कार्यक्रम तय किए गए थे। इसी क्रम में 28/29 जुलाई को *सामुदायिक भागीदारी दिवस* मनाया गया।

टियोक में जांजी नदी में नहाने के दौरान एक व्यक्ति डूबा

जोरहाट (हिंस)। टियोक के कवैमारी के चिनातली में जांजी नदी में नहाने गया एक व्यक्ति डूब गया। सोमवार को पुलिस ने बताया कि शख्स का नाम महेश कलिता है। वह रिटायर्ड हेडमास्टर थे। भारी गर्मी के कारण नदी में नहाने के दौरान कलिता लापता हो गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लापता व्यक्ति की तलाश कर रही है।

चांदीपुरा वायरस को लेकर घर-घर सर्वे जारी

डूंगरपुर (हिंस)। जिले में चांदीपुरा वायरस को लेकर चिकित्सा विभाग की सम्पूर्ण टीम फील्ड में मुस्तैदी के साथ कार्य कर रही है। एहतियात के तौर पर 16 वर्ष से कम के आयु वाले बच्चों में चांदीपुरा वायरस के लक्षण दिखने पर उनके सैंपल लिए जा रहे है। साथ ही उच्च अधिकारियों को संबंधित रोगी के बारे में जानकारी दी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि जिले में चांदीपुरा वायरस को लेकर स्थिति पर चिकित्सा विभाग की पूर्ण नजर बनी हुई है। अब तक जिले में 3 सैम्पल लिए गए जिसको जांच के लिए आगे भेजे गए थे। उनमें से 2 की रिपोर्ट रविवार को प्राप्त हो चुकी है। जिसमें एक रोगी चांदीपुरा वायरस पॉजिटिव है तथा दूसरा रोगी नेगेटिव पाया गया एवं एक रोगी का सैम्पल गुजरात से लेकर जांच केलिए प्रयोगशाला भिजवाया गया था उसकी भी सूचना सोमवार को प्राप्त हो चूकी है तथा वो नेगेटिव है।

वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर सफाई कर्मचारी हड़ताल पर उतरे

जयपुर (हिंस)। प्रदेशभर के निकायों में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले सफाई कर्मचारी सोमवार को विरोध-प्रदर्शन करते हुए हड़ताल पर उतर गए। सफाई कर्मचारियों ने वाल्मीकि समाज को सफाई कर्मचारी भर्ती में प्राथमिकता देने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। अजमेर नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मचारी विरोध प्रदर्शन करते सोमवार को सभी कर्मचारी लामबंद हो गए और प्रदेश भर में जारी हड़ताल का समर्थन करते हुए अपना विरोध जताया। कर्मचारियों ने कहा कि राजस्थान सरकार की ओर से 2024 में सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकली हुई है। इस भर्ती में वाल्मीकि समाज को 100 फीसदी प्राथमिकता देने और पूर्व में कार्यरत अस्थाई सफाई कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है। जिससे कि उन्हें राहत मिल सकें। वाल्मीकि समाज के लोगों ने कहा कि वे लंबे समय से इस काम में लगे हुए हैं। लेकिन, उन्हें प्राथमिकता नहीं दी जाती।

आचार संहिता लगने से पहले किसानों के खातों में आ जाएगी जमीन की राशि : कांडा

सिरसा (हिंस)। धिंगतानियां-सलारपुर खरीफ चैनल निर्माण को लेकर सिरसा विधायक, पूर्व गृहराज्यमंत्री एवं हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा की ओर से किए जा रहे प्रयास को लेकर 9 गांवों के ग्रामीण उनसे मिलने पहुंचे। इसी दौरान ग्रामीणों ने विधायक गोपाल कांडा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी कोशिशों की जितनी सराहना की जाए वो कम है। 99 प्रतिशत कार्य आपके प्रयास की बदौलत हो चुका है। अब बस हाईलेवल परचेज कमेटी से फाइल पास हो जाए और ये काम आचार संहिता से पहले होना बहुत जरूरी है। इस मौके पर विधायक गोपाल कांडा ने ग्रामीणों से कहा कि आपको घबराने की जरूरत नहीं। आचार संहिता से पहले ही किसानों की जमीनों की राशि अकाउंट में आ जाएगी।

रूस और यूक्रेन संघर्ष में भारत अधिक सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार : विदेश मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोहराया की रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का हल युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। भारत इस विवाद के संबंध में रूस और यूक्रेन के साथ अपने संवाद को बढ़ाने का इच्छुक है। हालांकि विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित यूक्रेन यात्रा के बारे में कोई निश्चित जानकारी नहीं दी। उन्होंने केवल इतना कहा कि सही समय पर सही माध्यम के जरिए हम अपनी बात स्पष्ट करेंगे। जापान में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जी7 शिखरवार्ता के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी। इसी तरह उन्होंने मास्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस मामले में विस्तार से बातचीत की थी। भारत का प्रयास है कि इस विवाद को युद्ध के मैदान से हटाकर बातचीत की मेज पर लाया जाए। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के संघर्ष के संबंध में हम हाथ पर हाथ रखकर बैठे नहीं रह सकते। हमारा मानना है कि विवाद को सुलझाने के लिए और बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो रूस और यूक्रेन दोनों देशों से बातचीत करते हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने दोहराया कि समाधान युद्ध के मैदान नहीं हो सकता। युद्ध चलता रहे और जनहानि होती रहे इससे कोई निर्णायक हल नहीं निकता।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में बेरोजगारी ...

एक पोस्ट में कहा कि हम असम के युवाओं के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं! पोस्ट के साथ अपलोड किए गए ग्राफिक विश्लेषण में सीएम ने कहा कि 2022-23 में बेरोजगारी अनुपात 8 प्रतिशत होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सक्रिय नीतियों ने यह सुनिश्चित किया है कि असम के युवा सार्थक रोजगार में लगे रहें। हालांकि, उन्होंने यह ब्यौरा नहीं दिया कि ये नई नौकरियां सार्वजनिक क्षेत्र में सृजित हुई हैं या निजी संस्थाओं में। शर्मा ने आगे कहा कि सरकार ने वित्तीय और नीतिगत सहायता के माध्यम से स्टार्टअप्स को समर्थन दिया है और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के निर्माण से पर्याप्त रोजगार सृजन भी सुनिश्चित हुआ है। पोस्ट में *आत्मनिर्भर असम अभियान* योजना का भी उल्लेख किया गया है, जिसे युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने में मदद करने के लिए सितंबर 2023 में शुरू किया गया था।

सरकारी कार्यक्रमों में ...

वीआईपी प्रोटोकॉल को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना होगा और अपने शासन को लोगों की सराहना के अनुरूप बनाना होगा। सभी आधिकारिक बैठकों में केवल साधारण शाकाहारी भोजन परोसा जाना है। यह नियम राजकीय अतिथियों पर लागू नहीं होगा। सम्मेलन के दौरान शर्मा ने कहा कि प्रशासन के विकेंद्रीकरण के लिए उप-जिलों का निर्माण एक महत्वपूर्ण नीति है। 2 अक्तूबर, 2024 से उप-जिला मॉडल लागू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पादकता को बढ़ावा देने, रोजगार पैदा करने और विकास को गति देने के लिए, उन्हें असम के सकल घरेलू उत्पाद में प्रत्येक जिले का योगदान निर्धारित करने की आवश्यकता है ताकि वे विकास केंद्र के रूप में कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि हम राज्य जीडीपी रिपोर्ट के साथ अगले वर्ष से जिला जीडीपी रिपोर्ट प्रकाशित करेंगे। डीसी को स्वास्थ्य, शिक्षा और आंगनवाड़ी केंद्रों पर काम में तेजी लानी चाहिए क्योंकि इनमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। डीसी को अक्सर अभिभावक मंत्रियों के साथ बैठकें करनी चाहिए, अधिमानतः हर हफ्ते या एक पखवाड़े के आधार पर। डीसी को सरकारी कार्यों को सरल और गंभीर रखने के लिए कहा गया है। सभी सरकारी समारोहों में या जब भी मुख्यमंत्री या मंत्रियों का दौरा हो, केवल शाकाहारी भोजन परोसा जाना चाहिए। उधर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने सभी जिला आयुक्तों को सरकारी कार्यक्रमों में केवल शाकाहारी भोजन परोसने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह निर्देश भोजन व्यवस्था को लेकर आ रही शिकायतों के बाद दिया गया। दरअसल, जून में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक के दौरान अत्यधिक भोजन परोसने के लिए नलबाड़ी जिला आयुक्त बर्नाली डेका की खूब आलोचना हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने भी खाद्य पदार्थों की अधिकता और सादा शाकाहारी भोजन के निर्देशों का पालन न करने की आलोचना की थी। मुख्यमंत्री ने डेका को लिखे एक पत्र में अपनी नाराजगी व्यक्त की थी, जिसमें कहा गया था कि 27 जून को आयोजित कैबिनेट बैठक के दौरान शाकाहारी भोजन की व्यवस्था करने के बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद आपने दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। भोजन में कई तरह के शाकाहारी व्यंजन के साथ-साथ मछली और मांस परोसा जा रहा है।

तीस्ता जल बंटवारे पर ...

है, क्योंकि गंगा नदी पश्चिम बंगाल से होकर पड़ोसी राष्ट्र में प्रवेश करती है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीस्ता जल साझा करने और फरक्का संधि के संबंध में बांग्लादेश के साथ चर्चा से पश्चिम बंगाल सरकार को बाहर रखने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। बनर्जी ने तीस्ता नदी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारणों के रूप में सिक्किम में एक श्रृंखला की जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण, ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया था।

अब से एससी में ...

वाली अदालत सहित सुप्रीम कोर्ट की सात अदालतों में विशेष लोक अदालतें लगेंगी जो मध्यस्थता करते हुए पक्षकारों की रजामंदी से विवादों को निपटाएंगी। वहीं, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की पहली सात पीठें दोपहर दो बजे विशेष लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करेंगी। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य कोर्ट में लंबित मामले को कम करना है। आज से शुक्रवार तक हम सर्वोच्च न्यायालय की लोक अदालत लगाएंगे और इसके लिए पहले सात पीठ बैठेंगे। यदि वकीलों के पास ऐसे मामले हैं जो लोक अदालत में जा सकते हैं, तो कृपया उन्हें लेकर आएं। मालूम हो कि विशेष लोक अदालत में वैवाहिक विवाद, संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, जमीन अधिग्रहण, मुआवजा, सर्विस और लेबर आदि मामलों का निपटारा किया जाएगा। लोक अदालतें मध्यस्थता के जरिए विवाद के हल का मंच उपलब्ध करा लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान की राह बनाती हैं।

चीन के साथ हमारा ...

अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समस्या है या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है। मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को जिक्र करते हुए कहा कि जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन हम अपने बीच के वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। जयशंकर और वांग की पिछले सप्ताह लाओस की राजधानी में मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लिया था। बैठक के दौरान उन्होंने मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की थी। चार जुलाई को जयशंकर और वांग ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में मुलाकात की थी।

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश ...

उपयोगकर्ताओं को 5 जीबी इंटरनेट मुफ्त दिया जाएगा। स्थानीय समयानुसार अपराह्न लगभग तीन बजे मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को फिर से शुरू कर दिया गया। खबर के अनुसार, ढाका में रॉबी, ग्रामीणफोन, बांग्लालिंक और अन्य ऑपरेटर के उपयोगकर्ताओं ने कहा कि वे अपराह्न तीन बजे के आसपास अपने मोबाइल फोन पर इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार ने 18 जुलाई को देशभर में हिंसा बढ़ने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया था। ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्रों ने 1971 में बांग्लादेश के *मुक्ति संग्राम* के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया था, जिसने हिंसक रूप ले लिया था। खबरों के अनुसार, हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, मौतों के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाने का आदेश देने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि लोगों के जीवन और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए। बांग्लादेश में हालांकि बुधवार को स्थिति सामान्य हो गई।

कोचिंग रिटर्न देने वाला...

बन रहे हैं। ये किसी गैस चैंबर से कम नहीं हैं। उन्होंने सदन के सदस्यों से युवाओं के लिए देश में उपलब्ध रोजगार और कौशल विकास के विभिन्न अवसरों के बारे में जागरूक करने का आग्रह किया। सदन के कुछ दलों के नेताओं द्वारा सभापति के कक्ष में सदन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सुझाव देने का बहिष्कार और विरोध की प्रथा पर अफसोस जताते हुए धनखड़ ने कहा कि मुझे अपनी पीड़ा साझा करने दीजिए, मुझे अपना दर्द साझा करने दीजिए। सभापति जब सदन में माननीय सदस्यों से मिलने के लिए अनुरोध करते हैं तो उसे इस तरह मना किया जाना पहले कभी नहीं देखा गया। यह आचरण संसदीय मर्यादा को कमजोर करने वाला है। सदन के कुछ नेता यदि इस तरह सदन में सभापति का बहिष्कार करना चाहते हैं, तो यह निश्चित रूप से एक स्वस्थ परंपरा नहीं है। इससे पहले आज विभिन्न राज्यसभा सदस्य जैसे सुधांशु त्रिवेदी और स्वाति मालीवाल ने यूपीएससी के एक कोचिंग सेंटर में हुई दुखद मृत्यु के मामले पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिया। सभापति ने नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा की अनुमति दी क्योंकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू तो मामले को अति आवश्यक बताते हुए नियम 267 के तहत इस मामले पर चर्चा करने के लिए तैयार थे, लेकिन नेता प्रतिपक्ष मलिकार्जुन खरगे और अन्य विपक्षी दल नियम 267 के तहत इस मामले पर चर्चा करने से असहमत थे। इस पर सभापति ने यह स्पष्ट किया कि नियम 267 के तहत किसी भी विषय पर तभी चर्चा की जाएगी, जब सभी प्रमुख दल सहमत हों और पूरे सदन की आम सहमति हो।

अब से गुरुद्वारे में अब ...

2024 के आधार पर लिया गया है। इसे लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा है कि केसरी निशान को लेकर संगत के बीच दुविधा थी। जिसके बारे में कुछ मामले श्री अकाल तख्त साहिब के ध्यान में आए जिसके बाद इस पर चर्चा हुई। पांच सिंह साहिबानों की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई कि निशान साहिब का रंग बेशक भगवा है, लेकिन गलती से यह हिंदू धर्म के प्रतीक भगवा रंग से मिलता-जुलता है। इस कारण कई बार संगत के लोग या अजनबी लोग इसमें अंतर नहीं कर पाते और दोनों को एक ही समझ लेते हैं। इसी दुविधा को दूर करने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि क्योंकि सिख धर्म हिंदू धर्म से अलग है। इस कारण कभी-कभी कुछ लोग यह प्रचार करते हैं कि हिंदू और सिख एक ही धर्म हैं। इस तरह के भ्रम से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। सिख रहत मर्यादा के पेज नंबर 15 पर दर्ज जानकारी के अनुसार श्री निशान साहिब के 2 रंग हो सकते हैं। एक सुरमई और दूसरी बसंती। अब शिरोमणि कमेटी श्री निशान साहिब की पोशाक के लिए इन दो रंगों में से एक का चयन करेगी। साल 2019 में एक पंजाबी सुलेखक डॉ चरणजीत सिंह गुमटाला ने शिरोमणि कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल और श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि गुरु घरों में केसरी निशान साहिब की पोशाक का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्हें सिख परंपरा के अनुसार बसंती द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। जिसके बाद श्री अकाल तख्त साहिब ने इस पर चर्चा की और अब 27 जुलाई 2024 को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

सोपोर में रहस्यमयी ...

उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया, हालांकि अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान शायर कॉलोनी निवासी नजीर अहमद नदरु, शायर कॉलोनी निवासी आजम अशरफ मीर और आदिल राशिद भट के रूप में की गई है। अन्य व्यक्ति की पहचान की जा रही है। इस बीच पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

रुपहीहाट में करंट लगने से एक की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रुपहीहाट में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना रुपहीहाट के ताराबाड़ी में रविवार की रात की है। मृतक की पहचान साउथ कालिकाजारी निवासी आमिर हामजा के रूप में हुई है। मृतक ताराबाड़ी के बरपका में आलम नाम के ठेकेदार के नेतृत्व में जलजीवन मिशन का कार्य कर रहा था।

बजाली में कालदिया नदी में डूबने से कांवरिया की मौत

बजाली (हिंस)। बजाली के कालीबाड़ी थान में कांवड़ लेकर जा रहे एक लड़के की कालदिया नदी में डूबने से मौत हो गई। सोमवार को पुलिस ने बताया कि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान मौके पर मौजूद होकर तलाशी अभियान चलाया। एसडीआरएफ ने काफी मशक्कत के बाद शव बरामद किया।

राज्यपाल कटारिया ने तीन कुलपतियों को दिलायी शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल सह कुलाधिपति गुलाब चंद कटारिया ने आज यहां राजभवन के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित एक समारोह में प्रोफेसर ननी गोपाल महंत को गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर धनपति डेका को भट्टदेव विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रोफेसर मानबेंद्र दत्त चौधरी को रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में शपथ दिलाई। इससे पहले राज्यपाल की सचिव कबिता डेका ने समारोह की कार्यवाही शुरू करने के लिए राज्यपाल से अनुमति मांगी। समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु,

कुलपति सचिवालय के सलाहकार प्रोफेसर एमके चौधरी, उच्च शिक्षा सचिव नारायण कोंवर, आईआईटी-गुवाहाटी के निदेशक प्रोफेसर देवेंद्र जलिहाल और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

नौका दुर्घटना में डूबे एक व्यक्ति का शव बरामद

धुबड़ी (हिंस)। गौरीपुर में गदाधर नदी में नाव दुर्घटना में लापता हुए दो व्यक्तियों में से एक का शव आज बरामद किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि रविवार की रात्रि के करीब नौ बजे शबीनुर रहमान नामक युवक अपने पिता के साथ छोटी नाव से नदी पार कर रहा था। तभी नाव अचानक नदी के बीच में डूब गयी। स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गौरीपुर पुलिस एसडीआरएफ जवानों के साथ मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की टीम ने पूरी रात अभियान चलाकर आज सुबह पिता उल्लाबस का शव बरामद किया। पुत्र शबीनुर रहमान की तलाश जारी है। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। एसडीआरएफ शबीनुर रहमान की तलाश कर रही है।

पांच दिवसीय संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन

गुवाहार्टी। मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार के सान्निध्य में पंच दिवसीय संस्कार निर्माण शिविर गत 24 से 28 जुलाई तक तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में एवं तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के आयोजकत्व में आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमार ने कहा नवकार मंत्र सभी मंत्रों का राजा है। नवकार मंत्र का जप करने से पिछले अनेक जन्मों के पाप कर्म क्षय होते हैं। मंत्रों की शक्ति अपार होती है। महापुरुषों का स्मरण करने से हमारे भावों में शुद्धि होती है। भाव शुद्धि ही साधना का सार होती है। प्रत्येक व्यक्ति के भीतर असीम शक्तियां हैं। हमें जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। अपने आत्मतत्व को जानने का प्रयास करें। अपने भीतर के गुणों को विकसित करें। गुणों का विकास तभी होगा जब संस्कार का जुड़ाव हो जाए। संस्कारी व्यक्तित्व कितनों के लिए प्रेरक बन जाता है। संस्कार निर्माण शिविर के माध्यम से अपने जीवन को सम्यक दिशा में ले जाएं। भौतिकता के साथ धार्मिकता का भाव बढ़ना चाहिए। शिविर के माध्यम से प्राप्त संस्कारों को पुष्ट करते जाएं। गुवाहाटी तेरापंथी सभा ने अपने दायित्व का पालन करते हुए संस्कार निर्माण में सहयोगी बने हैं। तेयुप ने जागरूकता से कर्तव्य निभाया है। सुश्री निहारिका सिंघी ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए शिविरार्थियों को बहुत कुछ दिया है। मुनि कुमुद कुमार ने कहा संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन जीवन का निर्माण करने वाला है। जीवन में संस्कारों का विकास बहुत जरूरी है। परिवार के, समाज के, जैनत्व के, श्रावकत्व के संस्कार होने बहुत जरूरी है। एक श्रावक को जैनत्व की श्रावकत्व की जानकारी होनी नितांत आवश्यक है। कटक से समागत मुख्य ट्रेनर एवं प्रखर वक्ता सुश्री निहारिक सिंघी ने कहा कि हम अपने आप में पावरफुल हैं। हमें अपनी शक्ति को जागृत करना है। हर व्यक्ति अपने जीवन में विकास कर सकता है। हम कैसे बोलें, जिससे हमारी आंतरिक शक्ति बढ़े। इस शिविर में गुवाहाटी के अलावा नाहरलगुन, कोकराझाड़, नगांव आदि से लगभग 55 शिविरार्थी ने भाग लिया। श्रेष्ठ शिविरार्थी हर्ष छाजेड़ (कोकराझाड़), संस्कारी शिविरार्थी लोकेश भंसाली (गुवाहाटी), अनुशासित शिविरार्थी अर्हम् चौरड़िया (नगांव) के अलावा जिज्ञासु शिविरार्थी और आल राउंडर शिविरार्थी के रूप में क्रमशः यश भादानी (गुवाहाटी) एवं लक्ष्य सेठिया (कोकराझाड़) को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बालिकाओं का अंतर-जिला विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की पहल पर नृपेन्द्र नारायण सिंह सोंवरनी अंडर-17 बालिका वर्ग अंतर जिला स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच जुलाई को सोनापुर मिनी स्टेडियम में संपन्न हुआ। कामरूप (मेट्रो) जिले के लिए बेंतकुची हायर सेकेंडरी स्कूल और मोरीगांव जिले के लिए औगुरी हायर सेकेंडरी स्कूल का प्रतिनिधित्व फाइनल मैच में किया गया। इस रोमांचक मैच में कामरूप (मेट्रो) जिला ने मोरीगांव जिले को 4-1 गोल से हराया और कामरूप (मेट्रो) जिले की नंबर 7 जर्सी पहने मैरी मेक ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निदेशक प्रदीप तिमुंग, सहायक निदेशक नवज्योति बसुमतारी, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी खिलाड़ी जमुना बोड़ो, एनी लामा, अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉलर दुर्गा बोड़ो, एलएनआईपीई के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र सिंह, सोनापुर मिनी स्टेडियम के अध्यक्ष आफताब हुसैन पत्रकार मौसम वैश्य तथा कामरूप मेट्रो जिला की खेल पदाधिकारी बंदिता गोगोई उपस्थित रहे।

दरंग में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। ड्रग्स के खिलाफ दरंग पुलिस का अभियान जारी है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि धुला में राजमार्ग पर छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तस्कर को नशीला पदार्थ के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया। धुला थाना के सहायक प्रभारी द्वीप ज्योति दास ने क्राइम ब्रांच के सहयोग से ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। धुला से खारूपेटिया जाते समय पुलिस ने बड़ी चतुराई से युवक को नशे से लदे प्लास्टिक के छोटे-छोटे 11 कंटेनरों के साथ दबोच लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान धुला थाना अंतर्गत खटनियापारा गांव के लोकमन अली के रूप में हुई है।

पूसीरे की प्राथमिकता ट्रैक संरक्षा कार्य

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे पटरियों की संरक्षा में बढ़ोतरी और रेल यात्रियों को अधिक सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने की अपनी भूमिका का निर्वाह करने के लिए पूसी रेलवे ने ट्रैक अनुरक्षण कार्यों की दिशा में निरंतर प्रगति की है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि हाल ही में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान पूसी रेलवे ने रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित ट्रैक संरक्षा से संबंधित कई लक्ष्यों को पार करते हुए सफलता हासिल की है। जून के दौरान 26.38 किलोमीटर का कंप्लीट ट्रैक रिन्यूअल किया गया है। अप्रैल से जून तक इसकी संचयी प्रगति 69.65 किलोमीटर हुई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 59.77 फीसदी अधिक है। अप्रैल से जून तक स्लीपर नवीनीकरण में 71.75 टीकेएम की संचयी प्रगति की गयी, जो उक्त महीने के दौरान 23.69 टीकेएम (ट्रैक किलोमीटर) किया गया था। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 135.63

फीसदी अधिक है। उक्त महीने के दौरान 23 इक्विवलेंट सेटों का थ्रू टर्नआउट रिन्यूअल किया गया, जिससे अप्रैल से जून तक 48.50 इक्विवलेंट सेटों की संचयी प्रगति हुई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 117.98 फीसदी अधिक है। अप्रैल से जून तक 49 थिक वेब स्विच (टीडब्ल्यूएस) स्थापित कर संचयी प्रगति हासिल की गई, जो उक्त महीने में 17 लगाए गए थे। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2350 फीसदी अधिक है। इसके अलावा, जून महीने में 28.34 टीकेएम की डीप स्क्रीनिंग (प्लेन ट्रैक) की गई, जिससे अप्रैल से जून तक संचयी प्रगति 145.41 टीकेएम हुआ। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 156 फीसदी अधिक है। इसके अलावा, जून में यूएसएफडी (अल्ट्रा सोनिक फ्लॉ डिटेक्शन) मशीन द्वारा 1132.20 किलोमीटर ट्रैक का परीक्षण किया गया था, जिससे अप्रैल से जून तक 5221.60 किलोमीटर की संचयी प्रगति हुई। यूएसएफडी तकनीक का उपयोग रेल पटरियों में दरार जैसी खामियों का पता लगाने के लिए किया जाता है और संरक्षा की दृष्टि से समय पर दोषपूर्ण पटरियों को हटाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि रेल यात्रियों को बेहतर आराम के साथ सुरक्षित ट्रेन यात्रा प्रदान करने हेतु रेल पटरियों को सही स्थिति में बनाए रखने के लिए पूसी रेलवे द्वारा नियमित रूप से जोन के अधीन कई ट्रैक नवीनीकरण कार्य किए जाते हैं, जिसमें खराब पटरियों, टर्न आउट, क्षतिग्रस्त स्लीपरों को बदलना और पटरियों की बलास्टिंग के साथ डीप स्क्रीनिंग शामिल है।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की फटाशील आमबाड़ी पुलिस ने मोबाइल चोरी मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हयात हॉस्पिटल के पास स्थित एक घर से मोबाइल चोरी मामले में पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोर की पहचान रोहन दास (20, लालगणेश) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी का मोबाइल एक फोन बरामद किया गया है। बरामद मोबाइल फोन को उसके असली मालिक को सौंप दिया गया है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है ।

ट्रक से 31 मवेशी बरामद, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर 31 मवेशियों को ले जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आज जोराबाट पुलिस चौकी क्षेत्र के जोराबाट क्रॉसिंग इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 31 मवेशियों को ले जा रहे एक ट्रक (एएस-01आरसी-3692) को जब्त किया गया है। जब्त किए गए सभी मवेशियों को अवैध तरीके से मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में एक पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्कर की पहचान अशरफुल आलम (24) के रूप में की गई है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद अवैध तरीके से मेघालय होते हुए बांग्लादेश तक पशुओं की तस्करी जारी है।

सर्थेबारी में सड़क दुर्घटना, आठ कांवरिया घायल

बरपेटा (हिंस)। आज सुबह कांवड़ियों को लेकर वापस आ रही एक स्विफ्ट कार सर्थेबारी के बंगपाड़ा में दुर्घटना का शिकार हो गई। कार सड़क किनारे एक तालाब में पलट गई। आठ कांवरिए बाल-बाल बच गए। कार में दो महिलाओं के साथ पांच बच्चे भी सवार थे। हादसे में कार में सवार लोग घायल हो गए। श्रद्धालु सारभोग में बेकी नदी से जल भरकर घर आ रहे थे। एक अन्य वाहन के चालक ने दुर्घटना देखी और भक्तों को तुरंत बचाया। उन्हें सार्थेबारी अस्पताल ले जाया गया। कार (एएस-01डीई-9477) मालिक द्वारा चलाया गया था। मालिक गुंजीत लहकर के साथ दो महिलाएं और पांच बच्चे कार में थे।

गुवाहाटी में संपत्ति निर्माण कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी। नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स एसोसिएशन द्वारा एक दिन की कार्यशाला होटेल ऑरनेट में आयोजित की गई। सत्र का संचालन जयपुर के प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध निवेशक और प्रेरक वक्ता राजेश कुमार सोधानी और प्रवीण यादव ने किया। दोनों के पास शेयर बाजार में दशकों का अनुभव है। और उन्होंने हर्षद मेहता चरण, डॉट कॉम बबल, वैश्विक वित्तीय संकट और कोविड जैसे बाजार के विभिन्न चरणों का अनुभव किया है। कार्यशाला में शहर के निवेशकों के बीच जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और इसमें 60 से अधिक प्रतिभागी थे। कार्यशाला का विषय भविष्य के बाजार के दृष्टिकोण, संपत्ति निर्माण और अपना पहला 1 करोड़ हासिल करना था। प्रतिभागियों ने एसोसिएशन द्वारा की

गई पहल की सराहना की क्योंकि उन्होंने नए अवधारणाओं, विचारों और रणनीतियों को सीखा और समझा जो उनके जीवन भर काम आएंगे। श्री सोधानी ने प्रतिभागियों को फर्जी शेयरों से दूर रहने और पूर्ण स्व-अध्ययन के साथ शेयरों में निवेश करने की सलाह दी। श्री यादव ने वर्तमान रुझानों और आज की पीढ़ी की बदलती जरूरतों पर ध्यान केंद्रित किया जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक्स, कार और यात्रा। यह देखा गया कि प्रतिभागियों ने कार्यशाला से बहुत कुछ सीखा और इसका आनंद लिया क्योंकि वक्ताओं द्वारा गुणवत्ता वाली सामग्री और चर्चा थी। एसोसिएशन प्रतिभागियों की भागीदारी से खुश थी और जल्द ही स्थानीय, युवा और नए निवेशकों के बाजार में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए ऐसी और कार्यशालाएं आयोजित करने का लक्ष्य रखती है। शिलांग, लखीमपुर, नागांव, जोरहाट, रंगिया और चंडीगढ़ के निवेशकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। एसोसिएशन का दृष्टिकोण उत्तर-पूर्व भारत में निवेशक आधार को बढ़ाना है, जिसमें आने वाले कुछ दशकों में मजबूत वृद्धि की संभावना है। निया के मेंबर्स राघव और पियूषि बागरिया ने बताया की इस तरह की कार्यशाला आयोजन करने से हमे निवेश में एक अलग दिशा मिलती ह ,और हम लोग जैसे नए निवेश दीर्घ कालीन निवेश की और अग्रसार होते हैं।

एसआईपी अबेकस के सातवें एसआईपी असम प्रोडिजी 2024 का सफलतापूर्वक समापन

गुवाहाटी। एसआईपी अबेकस और ब्रेन जिम राज्य प्रतियोगिता रविवार को मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम देश के अग्रणी अबेकस-आधारित शिक्षण समाधान प्रदाता एसआईपी अकादमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में गुवाहाटी और असम के कई जिलों के 1,200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में असम के 1,200 से अधिक छात्रों ने अपने गणितीय कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे छोटे बच्चे कैलकुलेटर से भी तेज हो सकते हैं। यह केवल 3 मिनट में गणितीय मात्राओं के 100 से अधिक जोड़, घटाव, विभाजन और गुणा को हल करने के लिए एबेकस विजुअलाइजेशन कौशल का उपयोग करके उनकी एकाग्रता और स्मृति का

प्रदर्शन था। प्रतियोगिता में गुवाहाटी और अन्य स्थानों के कई स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले बच्चों ने अपनी संख्यात्मक क्षमताओं, एकाग्रता और स्मृति का प्रदर्शन किया। दिन भर चले इस इंटरैक्टिव कार्यक्रम में अभिभावकों, स्कूल के प्राचार्यों और शिक्षकों सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। एसआईपी एकेडमी इंडिया 2003 से विश्व स्तरीय कौशल विकास कार्यक्रम चला रही है जिसका बच्चों की मानसिक क्षमता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। कंपनी का मुख्यालय चेन्नई में है और इसकी उपस्थिति 23 राज्यों, 350+ शहरों, 1000+ स्कूलों में है। संस्थान ने देश में 6,90,000 से अधिक बच्चों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है और यह उज्ज्वल और प्रतिभाशाली बच्चे पैदा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

डूरंड कप के मैचों के लिए कोकराझाड़ तैयार, पहला मैच आज

डूरंड कप फुटबाल टूर्नामेंट के मैचों के लिए शहरवासियों में जबरदस्त उत्साह

कोकराझाड़ (हिंस)। प्रतिष्ठित डूरंड कप फुटबाल टूर्नामेंट के 133वें संस्करण के सात मैचों की मेजबानी के लिए कोकराझार यानी *शांति का शहर* तैयार है। यह मैच 30 जुलाई से 21 अगस्त 2024 तक स्थानीय साई स्टेडियम में होंगे। कोकराझार में होने वाला पहला मैच 30 जुलाई को साई स्टेडियम में होगा। इस मैच को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डूरंड कप के आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में जबरदस्त उत्साह है। अभी 14 जुलाई 2024 को बोडोफा ऑडिटोरियम में ट्रॉफी डिस्प्ले समारोह और बोड़ोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र के पांच जिलों में ट्रॉफी टूर के आयोजन ने स्थानीय लोगों में और उत्साहभर दिया है। यहां के लोग टूर्नामेंट के लीग मैचों के आरंभ होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 30 जुलाई को साई स्टेडियम में यहां का पहला मैच आरंभ 3 बजे से होगा। इसके लिए स्टेडियम के गेट दोपहर 12 बजे खुल जाएंगे। कोकराझार के पहले मैच के उद्घाटन को भव्य बनाने के लिए भारतीय सेना ने बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) के साथ मिलकर कोई कसर नहीं छोड़ी है। टूर्नामेंट के पहले स्टेडियम में मरम्मत कार्य किए गए हैं, जिनमें रात के मैचों के लिए फ्लडलाइट्स का उन्नयन और बारिश के दौरान भी मैचों के सुचारू संचालन के लिए अत्याधुनिक ड्रेनेज प्रणाली भी स्थापित की गई है। यहां के साई स्टेडियम में होने वाले पहले मैच के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं ने रोमांचक सैन्य प्रदर्शन और स्थानीय लोगों ने सांस्कृतिक उत्सवों की एक श्रृंखला भी तैयार की है। फुटबॉल प्रेमी यहां के पहले मैच में स्थानीय टीम बोड़ोलैंड एफसी और नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं।

बीटीसी के सीईएम प्रमोद बोड़ो ने साई स्टेडियम में नए रेत आधारित उन्नत फीफा मानक फुटबॉल मैदान का उद्घाटन किया

संपादकीय

कोर्ट ने प्रवेश कार्यक्रम को दी प्राथमिकता

नीट परीक्षाओं को लेकर देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर-तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं। प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी-नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी। हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं। बहरहाल, हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है। हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। निस्संदेह, गाहे-बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं। भारत एक युवाओं का देश है। ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए। निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए। बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया। जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है। कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी। साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा। निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुनः परीक्षा देने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है।

किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा

किसान आन्दोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की

स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे।

वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है।

दृष्टि कोण

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस चूक के राजनीतिक निहितार्थ

भारत में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी का स्टाफ लगभग 25 हज़ार है। उससे तीन गुना कम अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का स्टाफ है। मात्र 8 हज़ार। यूएस गवर्नमेंट एग्जीक्यूटिव की एक रिपोर्ट के अनुसार, '2021 में अमेरिकन सीक्रेट सर्विस में लगभग 7,600 कर्मियों की तैनाती थी, जून, 2024 तक 400 स्टाफ और जुड़े। वित्तीय वर्ष 2026 तक इस संख्या को लगभग 10,000 कर्मचारियों तक बढ़ाने की योजना है।' क्या स्टाफ की कम संख्या की वजह से वीवीआईपी सुरक्षा लचर रही, या फिर ये हैं ही वैसे? पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले के बाद से यह सवाल, अमेरिकी सोशल मीडिया पर ज़ेरे बहस रहा है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के कर्मचारियों की संख्या बढ़ा भर देने से हमले रोके जा सकते हैं थे, तो महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या नहीं हुई होती। वर्ष 1967 की भुवनेश्वर चुनावी रैली को याद कीजिये, जब पत्थरबाज़ी में इंदिरा गांधी की नाक पर गंभीर चोट लगी। सूचना तंत्र मज़बूत होता, तो दो अक्तूबर, 1986 को राजघाट पर करमवीर सिंह नामक शख्स तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर गोली नहीं चला पाता। वहीं 5 जनवरी, 2022 को फ़रीज़पुर दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफ़िले में सुरक्षा चूक नहीं हुई होती। लेकिन सवाल है कि जब अमेरिका महफूज़ नहीं है, तो दुनिया का कौन-सा हिस्सा सुरक्षित है? यह सवाल विक्रम-बेताल की तरह हमारे कंधों पर टंगा रहेगा। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मज़बूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी।

ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं, तो न तो जनता, और न ही कांग्रेस को इस बारे में ज़्यादा जानकारी मिली। चीटल ने स्वीकार किया कि ट्रम्प की रैली में हुई शूटिंग से हमारे एजेंट बेख़बर थे। अमेरिकी ख़ुफ़िया प्रमुख और आंतरिक मंत्रालय की चुप्पी ने भारत समेत दुनियाभर में अटकलों का बाज़ार गर्म किया था। भारतीय सोशल मीडिया के तुर्रम ख़ान, ख़म ठोक कर कहने लगे कि हो न हो, यह सारा कुछ ट्रंप का किया धरा है, जिससे चुनावी तस्वीर उनके पक्ष में बदल जाये।

रिपब्लिकन इस पर अड़े हुए थे, कि दो साल की अवधि में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने ट्रम्प के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अधिक एजेंटों और मैग्नेटोमीटर के लिए बार-बार अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया, बाहरी स्थानों के लिए अतिरिक्त स्नाइपर्स देने से भी मना किया था। मंगलवार को सीक्रेट प्रमुख पद से इस्तीफा देने से पहले चीटल ने कांग्रेस से कहा, 'जिस दिन यह काण्ड हुआ, जितना अनुरोध ट्रंप की तरफ से किया गया था, उन्हें दिया गया।' सोशल मीडिया इस घटना को लेकर दो खेमों में बंटा हुआ था। जो लोग पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा मानते थे, उन्होंने इसे एक फर्जी घटना बताकर खारिज कर दिया। एक्स और टेलीग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म, 'प्री-प्लांड' और 'मंचित किये जाने' वाले आरोपों के पोस्ट से भर गए। एलन मस्क तक ने एक्स पर सवाल कर दिया, 'एक स्नाइपर को पूरी राइफल किट के साथ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के सबसे नज़दीकी छत पर रेंगने की अनुमति कैसे दी गई?'

अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की जो धाक समय-समय पर दुनियाभर में ज़माने की कोशिशें होती रही, ट्रंप कनपट्टी काण्ड से धराशायी हुई है। अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ 1 कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास के डलास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके हत्यारे का नाम था, ली हार्वे ओसवाल्ड, जो एक पूर्व अमेरिकी मरीन था। जेम्स अर्ल रे एक अनजान सा अमेरिकी भगोड़ा था, जिसने 4 अप्रैल, 1968 को मार्टिन लूथर किंग 'जूनियर' की हत्या कर दी थी। कैनेडी और किंग की हत्याओं के बाद कई लोगों को यह स्वीकार करने में कठिनाई हुई कि एक अकेला, परेशान, महत्वहीन व्यक्ति इतिहास बदल सकता है।

अधिकांश लोग सीक्रेट सर्विस को एक ऐसा संगठन मानते हैं, जो राष्ट्रपति और हाई प्रोफ़ाइल शख़्सियतों की सुरक्षा करता है। 1865 में जब इसकी स्थापना हुई थी, तब सीक्रेट सर्विस यूएस ट्रेजरी विभाग का हिस्सा थी। इसका काम धोखाधड़ी और नकली मुद्रा का पता लगाना था। 20 साल बाद सीक्रेट सर्विस ने तत्कालीन राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड को अनौपचारिक सुरक्षा प्रदान करना शुरू किया। 6 सितम्बर, 1901 को राष्ट्रपति विलियम मैककिनले की हत्या के बाद, सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपतियों की सुरक्षा को अपने आधिकारिक कर्तव्यों में शामिल कर लिया।

कुछ अलग

केंद्र को झटका

आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है। देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है। दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है। इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है। निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है। ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं। निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था। जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततः देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिये हस्तक्षेप करना ही पड़ा। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है। लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है। निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिये ये टकराव व विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं। जिससे राज्यों के आर्थिक संकट को भी दूर किया जा सकता है। दरअसल, इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं। निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। यही वजह है कि वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में राजग गठबंधन में शामिल बिहार तथा आंध्र प्रदेश के लिये घोषित विशेष पैकेजों ने विपक्ष को गैर भाजपा शासित राज्यों से कथित भेदभाव के आक्षेपों के साथ सवाल उठाने का मौका दिया है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है। जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है। यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ-राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था। वहीं दूसरी ओर सरकारिया आयोग ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया था कि देश में शक्तियों के अधिक केंद्रीयकरण ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उसमें और वृद्धि कर दी है। केंद्र सरकार के लिये बेहतर होगा कि आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को साफ करके उसका बेहद बारीक व संवेदनशील ढंग से अध्ययन करे। इस तरह के आक्षेपों के बीच एक बात तो साफ है कि एक शक्तिशाली केंद्र भारत जैसे विकासशील देश को विकसित भारत में कदापि नहीं बदल सकता है। वहीं केंद्र व राज्यों में सामंजस्य व सहयोग के रिश्ते भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश को निश्चित तौर पर मजबूती ही देंगे।

देश दुनीया से

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सबला कमला

लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है।

इस साल के अंत में दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है। अब ट्रंप बाइडेन की जगह सबसे ज्यादा उम्रदराज प्रत्याशी बन गए हैं।

बहरहाल, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। जिससे अब यह चुनाव दिलचस्प हो चला है। अमेरिकी इतिहास में कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिये पहली अश्वेत महिला दावेदार हैं। डेमोक्रेट्स के लिये यह एक ऐसा जोखिम जो उन्हें उठाना पड़ेगा। दरअसल, ट्रंप अमेरिका में श्वेतवाद के प्रबल समर्थक हैं। ऐसा ही जोखिम बाइडेन ने कमला को उपराष्ट्रपति पद के लिये चुनकर उठाया था। बहरहाल, अमेरिका में धीरे-धीरे डेमोक्रेट कमला के पक्ष में खुलकर सामने आने लगे हैं। बहरहाल, कमला की दावेदारी पर अगले महीने शिकागो में होने वाले डेमोक्रेट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतिम मोहर लगेगी। कमला के लिए धनात्मक पक्ष यह है कि वे बाइडेन के बाद दूसरे नंबर के संवैधानिक पद पर विराजमान हैं। जाहिर है कि डेमोक्रेट्स एक महिला व एक अश्वेत प्रत्याशी की दावेदारी को शायद ही नकार सकें। हालांकि, उपराष्ट्रपति कार्यकाल की कुछ नाकामियों का खमियाजा भी कमला को भुगतना होगा। खासकर अवैध प्रवासियों वाले मुद्दे पर उनकी आलोचना हुई है। हालांकि, गर्भपात के अधिकारों के मुद्दे पर उनकी कामयाबी रही है। बहरहाल, अब कमला की दावेदारी से ट्रंप के लिये चुनौतियां बढ़ गई हैं। हालांकि, अभी कमला की दावेदारी को महत्वाकांक्षी डेमोक्रेट्स की चुनौती मिल सकती है। फिलहाल, कमला हैरिस के आने से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव खासा दिलचस्प हो गया है। रिपब्लिकन को डेमोक्रेट्स के विरोध के लिये नये मुद्दे गढ़ने पड़ेंगे।

वहीं दूसरी ओर भारत में कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की दावेदारी सामने आने से खासा उत्साह है। दरअसल, भारतीय मूल की मां और जमैका मूल के पिता डॉनल्ड हैरिस की बड़ी संतान कमला को भारतवंशी की तरह देखा जाता है। हालांकि, कहना कठिन है कि उनका भारत व भारतीय संस्कारों से लगाव कितना भावनात्मक और कितना राजनीतिक है। अमेरिका में भारतीयों का एक वर्ग मानता है कि वे भारतीयों के बजाय अफ्रीकी समुदाय के अश्वेतों के मुद्दों पर अधिक सक्रिय रही हैं। हालांकि, वह अपनी भारतीय मूल की पहचान का जिक्र भारतीयों के बीच बखूबी करती रही हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वे भारतवंशियों को लुभाने के लिये अपने अतीत व तमिलनाडु में अपनी ननिहाल से जुड़े अनुभवों का जिक्र करती रही हैं। निस्संदेह, कमला एक बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी राजनेता हैं। यही वजह है कि उपराष्ट्रपति पद के लिये कमला हैरिस के चयन के समय बाइडेन ने कहा था कि मैं देश के लिये नया नेतृत्व तैयार कर रहा हूं। लगता है आज उनके राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बनने से वह घड़ी आ गई है।

उल्लेखनीय है कि चेन्नई में जन्मी उनकी मां श्यामला गोपालन ऐसे वक्त पर सात समुंदर पार अमेरिका जाने का साहस जुटा सकी थी, जब अकेली लड़की को विदेश पढ़ाने की अनुमति देना बेहद मुश्किल माना जाता था। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद वह वर्ष 1958 में न्यूट्रीशियन और एंडोक्रोनोलॉजी में पीएचडी करने अमेरिका गई थीं। बाद में ब्रेस्ट कैंसर के क्षेत्र में शोधार्थी बनीं। कालांतर में बर्कले में मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करते हुए श्यामला डॉनल्ड हैरिस के संपर्क में आईं और उनसे विवाह किया।

आप का नजरीया

दीर्घकालीन लक्ष्य होते हैं आदर्श बजट के

हर साल केंद्रीय सरकार पहले आर्थिक सर्वे और फिर बजट प्रस्तुत करती है। सर्वे के जरिये बताया जाता है कि अर्थव्यवस्था की हालत क्या है और बज़ट के माध्यम से अपनी सोची कार्ययोजना पेश करती है। इनको दो विचारों के मद्देनज़र देखा जाता है : मौजूदा परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में क्या किया जाना चाहिए? और क्या चीज़ें सही दिशा में जाने वाली हैं? किंतु लगता है सरकार इतने में खुश है कि पिछले 10 सालों की सत्ता के दौरान उसकी उपलब्धि क्या रही। वित्तीय वर्ष -2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, इस तरह भारत दुनियाभर की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना, जबकि वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही। भारत को इस बात पर यकीन है 2024-25 में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी के अंदर रख पाएगा। लेकिन यह दृश्यावली इतनी भी गुलाबी नहीं है। वर्ष 2023-24 के बीच खुदरा महंगाई दर 5.4 प्रतिशत रही। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि खाद्य महंगाई दर 7.5 प्रतिशत जितनी ऊंची रही। कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में कारगुजारी बेहतर रहने के साथ, आर्थिक सर्वे में 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के ध्येय की पूर्ति हेतु अगले सालों में वृद्धि दर पाने की रणनीति के बारे में बताया गया है। वृद्धि निरंतर बनी रहे इसके लिए निजी क्षेत्र को अपनी पूंजी तलाशनी होगी। भारत को हरित ऊर्जा राष्ट्र में तबदील करने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना होगा। सरकार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तंत्र में खामियों को दूर करना होगा ताकि उनकी तरक्की होती रहे। नीतियों को अमलीजामा पहनाने के लिए राजकीय मशीनरी और व्यवस्था के लिए अपनी कामकाजी गति बढ़ाना जरूरी है। यदि यह अगले 25 सालों का दीर्घकालीन ध्येय है तो इसकी शुरुआत अब हम कहां से करें? प्रथम, करदाताओं के लिए अच्छी खबर यह है कि मानक कर कटौती (स्टैंडर्ड टैक्स डिडक्शन) को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। टैक्स स्लैब में कुछ बदलाव किया गया है ताकि नौकरीपेशा लोगों के हाथ में 17,000 रुपये तक बचत हो पाए। व्यावसायिक लोग कार्यबल का हिस्सा बनें, इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन पैकेज मिलेगा। इससे 20 लाख से अधिक युवाओं को फायदा होने की उम्मीद है। न केवल वेतन पाने वालों को बल्कि पूंजी निवेश से लाभ कमाने वालों को भी आमदनी कर में छूट देकर राहत दी गई है। इस प्रकार, यह बजट मध्य वर्ग का मददगार है, क्योंकि उन्हें कर कम चुकाना पड़ेगा। विद्रूपता यह कि सबसे गरीब तबका, जिसे यूं तो आयकर नहीं देना पड़ता, तथापि अपने उपभोग की तमाम उन वस्तुओं पर वह कर चुकाता है, जो जीएसटी तंत्र के तहत आती हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को जीएसटी से जुड़े विषयों में सुधार और अधिक किए जाने की जरूरत है, हालांकि इन पर सर्वसम्मति पाना सदा कठिन रहा है। इसके अलावा, यह भी गलत है कि सेस से होने वाली कमाई अकेले केंद्र के हिस्से आए, जिसे वह आगे राज्यों से बांटना नहीं चाहता। उगाहे गए कराधान की जरूरत सूबों को भी उतनी है ताकि वे अपने विकास ध्येयों को पूरा कर पाएं।

उत्तर प्रदेश के विकास में सत्ता और विपक्ष के सभी सदस्यों का मिले योगदान : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मानसून सत्र प्रारंभ होने के पहले विधान भवन में पत्रकारों से कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र आज से प्रारंभ हो रहा है। सभी विधायकों, विधान परिषद सदस्यों व विधान मंडल की कार्रवाई को संकुशल संपन्न करने में योगदान देने वाले सभी दलों से जुड़े हुए सहयोगियों तथा विधानसभा-विधान परिषद सचिवालय से जुड़े हुए अफसरों का हृदय से स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी से अपेक्षा व आकांक्षा रखता हूं। विपक्षी सदस्य जिन भी रचनात्मक मुद्दों को लेकर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे। प्रदेश के विकास और जनता-जनार्दन से जुड़ी उन हर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्ध है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने फरवरी में ही अपना बजट पास किया था। प्रदेश की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पहला अनुपूरक मांग मानसून सत्र में सदन में प्रस्तुत होगा। उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हुआ है। उत्तर प्रदेश ने पिछले सात वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में जिन ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, वह अभूतपूर्व, अविस्मरणीय व अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी सदस्य जिन भी रचनात्मक मुद्दों को लेकर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे। प्रदेश के विकास और जनता-जनार्दन से जुड़ी उन हर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्ध है। उन्होंने आग्रह किया कि सदन चर्चा-परिचर्चा का मंच बने, सरकार हर मुद्दों का पूरी तत्परता से जवाब देगी। विधान मंडल के सभी सदस्यों से अपील की कि सदन की कार्रवाई सुचारू रूप से चल सके, विधायी कार्य सकुशल संपन्न हो सके। इसके लिए सभी सदस्य से अपील करुंगा कि वे मानसून सत्र के सुचारू रूप से संपन्न करने में योगदान देंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह देवाधिदेव महादेव का पावन सावन मास है। बड़े पैमाने पर इस मास में शिवभक्त कार्यक्रम के साथ जुड़े हुए हैं। सावन मास में एक तरफ शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा तो दूसरी तरफ जनता-जनार्दन की सेवा के लिए हमारे जनप्रतिनिधि निरंतर प्रयत्नशील हैं। हमारे जनप्रतिनिधियों के द्वारा सदन के पटल पर जनता-जनार्दन और प्रदेश के विकास-समस्या को लेकर रखी गई बातों पर सरकार सकारात्मक बहस के लिए तैयार है। मुझे विश्वास है कि मानसून सत्र को प्रदेश के विकास, जनकल्याण से जुड़े अनुपूरक मांगों को सार्थक चर्चा का विषय बनाकर व्यवस्थित रूप से बढ़ाने में सभी अपना योगदान देंगे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, संसदीय कार्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व जसवंत सैनी भी मौजूद रहे।

हरियाणा में एनएचएम कर्मचारियों ने चार दिन बढ़ाई हड़ताल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल चार दिन पूरे होने के बाद सोमवार को अगले चार दिन के लिए और बढ़ा दी है। एनएचएम के कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल से सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ा है। एनएचएम कर्मचारी एनएचएम साझा मोर्चा के बैनर तले 26 जुलाई से हड़ताल पर हैं। सोमवार को सरकार की तरफ से उनकी मांगों को लेकर कोई आश्वासन नहीं दिए जाने पर एनएचएम कर्मचारियों ने हड़ताल चार दिन के लिए और बढ़ा दी है। एनएचएम कर्मचारी साझा मोर्चा के प्रदेश महासचिव हरिराज, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र कुमार वत्स ने बताया कि सभी कर्मचारियों को नियमित किए जाने तक एनटीसी, ग्रेच्युटी, शिशु देखभाल अवकाश के अलावा हरियाणा सिविल सर्विस रूल 2016 में कवर किया जाए। उन्होंने बताया कि एनएचएम कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ प्रदान करने की सैद्धांतिक मंजूरी 2 नवम्बर 2021 सरकार ने दी गई है। जिसे आजतक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से 2022 तक एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन व हड़ताल की अवधि का वेतन ड्यूटी अवधि मानते हुए स्वास्थ्य विभाग के अन्य संगठनों की भांति जारी करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने एनएचएम कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा के दायरे में शामिल करने की है। एनएचएम के चिकित्सा अधिकारियों एवं विशेषज्ञों को सर्विस रूल्स का लाभ दिया जाए। उन्होंने कहा कि अगले चार दिन तक अगर सरकार की तरफ से उनकी मांगों के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई गई तो बैठक में फैसला लेकर संघर्ष को तेज किया जाएगा, तब तक प्रदेश के अस्पतालों में एनएचएम कर्मचारी ड्यूटी नहीं संभालेंगे।

घर से खेलने निकले चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

नागौर (हिंस)। डीडवाना-कुचामन जिले के केराप गांव में घर से बाहर खेलने गए चार बच्चों की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गई। सभी नहाने के लिए तालाब में उतरे थे। किसी को भी तैरना नहीं आता था। तलाश कर रहे परिजनों और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस-प्रशासन ने तालाब में सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके बाद चारों बच्चों के शव तालाब में गहरे दलदल में फंसे हुए मिले। खुनखुना थानाधिकारी देवीलाल ने बताया कि केराप गांव के भूपेश (13) पुत्र काशीराम लोहार, साहिल खान (14) पुत्र संजय खान, शिवराज (14) पुत्र गिरधारी लोहार, विशाल ढाका (14) पुत्र बलदेव राम जाट रविवार शाम 4.30 बजे के करीब एक साथ घर से बाहर खेलने के लिए निकले थे। चारों बच्चे देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास बच्चों की तलाश की गई। जानकारी मिली की बच्चे तालाब किनारे खेलने गए थे। इस पर रात को तालाब किनारे पहुंचे तो वहां चारों बच्चों के चप्पलें तालाब के किनारे पड़ी मिलीं। बच्चे कहीं नजर नहीं आए। उन्होंने बताया कि रात करीब 9.20 बजे ग्रामीणों ने हादसे की सूचना दी थी। इस पर पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। दो बच्चों के शवों को ग्रामीणों ने खुद के स्तर पर दलदल से निकाल लिए थे। सूचना मिलने पर कलेक्टर बाल मुकुंद असावा ने एसडीआरएफ की टीम के साथ तहसीलदार और एएसपी हिमांशु शर्मा को रात 10 बजे मौके पर भेजा। चार घंटे के सर्च के बाद एसडीआरएफ ने रात करीब दो बजे दो अन्य बच्चों के शवों को भी तालाब से बाहर निकाल लिए गए। जिन्हें डीडवाना के राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल लाया गया। शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। एक साथ चार बच्चों की मौत से गांव में गमगीन माहौल है।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के विभिन्न नवाचारों का उद्घाटन करेंगे मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर (हिंस)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ मंगलवार को राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-कैट) परिसर में बिहेवियरल लैब, साइबर सुरक्षा सिमुलेशन लैब और ब्लॉकचेन एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट सहायता कार्यक्रम भी संचालित किया जाएगा। साथ ही राजस्थान के 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्रों के लिए *अर्ली कॅरियर प्रोग्राम* की शुरुआत के लिए एचसीएल के साथ एक एमओयू भी हस्ताक्षरित किया जाएगा। आर-कैट की कार्यकारी निदेशक ज्योति लुहाड़िया ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ आर-कैट परिसर में विभाग के विभिन्न नवाचारों का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में एडवांस रिसर्च के उद्देश्य से आईआईएम उदयपुर के सहयोग से बिहेवियरल लैब स्थापित की गई है। इस लैब का उद्देश्य ऐसी वर्कफोर्स तैयार करना है, जो उपभोक्ता के रूप में मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली, भावनाओं और व्यवहार को बेहतर ढंग से समझ सके। इससे अकादमिक अनुसंधान, सरकारी नीति और बाजार अनुप्रयोगों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। राज्य की डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए साइबर सुरक्षा सिमुलेशन लैब (साइबर रेंज) का उद्घाटन किया जाएगा। वास्तविक दुनिया के साइबर खतरों का पता लगाने के लिए डिजाइन की गई यह सिमुलेशन लैब साइबर हमलों को रोकने अथवा कम करने के लिए आवश्यक कौशल देगी। यह लैब महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और संवेदनशील डेटा की सुरक्षा करने की राज्य की क्षमता को भी बढ़ाएगी। यह लैब राज्य के भीतर साइबर सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को

बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप्स की भी मदद करेगी। सरकार प्रदेश के छात्रों, स्टार्टअप्स और अन्य हितधारकों को ब्लॉकचेन तकनीक से सीधे जोड़ने के लिए ब्लॉकचेन एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन भी करने जा रही है। यह सेंटर परियोजनाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ विकेंद्रीकृत वातावरण में भरोसे को मजबूत करेगा। ब्लॉकचेन एक्सपीरियंस सेंटर अत्याधुनिक ब्लॉकचेन समाधानों को विकसित करने और परीक्षण करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। यह छात्रों और उद्यमियों को अपने स्वयं के ब्लॉकचेन एप्लिकेशन तथा स्मार्ट कांट्रैक्ट बनाने और होस्ट करने की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह सेंटर व्यावहारिक समस्याओं के लिए ब्लॉकचेन-आधारित समाधान विकसित करने और उन्हें तेजी से लागू करने में मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि बिहेवियरल लैब, साइबर सुरक्षा सिमुलेशन लैब और ब्लॉकचेन एक्सपीरियंस सेंटर जैसे नवाचारों से प्रदेश में तकनीक एवं प्रौद्योगिकी की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी और प्रदेश के विद्यार्थी, स्टार्टअप और अन्य नागरिक नवीनतम तकनीकों का लाभ उठाकर भविष्य के लिए तैयार होंगे और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे।

पुलिस ने कांवड़ियों पर बरसाए डंडे, गुस्साए युवाओं ने की तोड़फोड़

झुंझुनूं (हिंस)। लोहार्गल धाम पहुंचे कांवड़ियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। रविवार रात करीब एक बजे स्नान करने के लिए कांवड़ियों की बीड़ उमड़ पड़ी। बेकाबू पुरुषों की बीड़ जनाना कुंड तक पहुंच गई। महिलाएं स्नान नहीं कर पा रही थीं। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठियां भांजी। इससे गुस्साए कांवड़ियों ने जमकर उत्पात मचाया। दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। उधर, जयपुर के सांभर लेक थाने में कांवड़ियों को कांस्टैबल ने थप्पड़ जड़ दिया। इससे हंगामा शुरू हो गया। कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर किया गया है। गोठड़ा के थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर गोठड़ा इलाके में लोहार्गल धाम है। यहां सूर्यकुंड है। हर सोमवार को यहां बड़ी संख्या में जल भरने यहां कांवड़िए आते हैं। इसके लिए रविवार रात से ही बीड़ जुटनी शुरू हो जाती है। ये कांवड़िए पहले स्नान करते हैं, फिर जल भरकर कांवड़ ले जाते हैं। लोहार्गल धाम में मुख्य कुंड से 20 मीटर की दूरी पर जनाना कुंड है। मुख्य कुंड में कांवड़ियों की इतनी बीड़ हो गई कि महिलाओं को परेशानी होने लगी। वह स्नान नहीं कर पा रही थीं। आरोप है कि युवा कांवड़िए जनाना कुंड की ओर आ गए थे। बीड़ संभालने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल नहीं था। इससे बीड़ काबू नहीं हो रही थी। पुलिस ने सख्ती की और स्नान कर रहे कांवड़ियों को कुंड से निकालने का प्रयास किया। इस दौरान एक-दो कांवड़ियों पर लाठी भी चलाई। इससे कांवड़िए भड़क गए। उन्होंने वहीं धाम पर तोड़फोड़ और वॉलिंटियर्स के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बाहर जाकर गोलियाना सर्किल पर आधा दर्जन से अधिक दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इससे सीकर रोड पर जाम लग गया। मारपीट के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें कुछ युवक लाठी से मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी कुंड में स्नान कर रहे युवकों पर लाठी बरसाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस का एक जवान कुंड में नहा रहे युवक को लाठी से पीटता हुआ दिख रहा है। गोठड़ा थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि बड़ी संख्या में युवा नहाने के लिए कुंड में कूद गए। युवकों को समझाया गया, लेकिन वे नहीं माने। अव्यवस्था का माहौल बना दिया। पुलिसकर्मियों ने समझाकर उन्होंने कुंड से बाहर निकाला। लाठीचार्ज जैसी कोई बात नहीं है। मामले की जांच करवा रहे हैं। जयपुर के सांभर लेक थाने में कांवड़ियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मामला रविवार देर रात का है। सड़क पर तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर किसी ने पुलिस को शिकायत कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और डीजे जब्त कर थाने ले आई। इस दौरान सांभर लेक थाने में कांवड़ियों की बीड़ जुट गई। थाने के बाहर ही सिविल ड्रेस में मौजूद एक कांस्टैबल खेमचंद ने कांवडियों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

हरियाणा के पूर्व मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ चलेगा छेड़छाड़ का केस

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह के खिलाफ महिला कोच से छेड़छाड़ के मामले में चंडीगढ़ की कोर्ट में केस चलेगा। कोर्ट में संदीप सिंह के खिलाफ इस मामले में आरोप तय हो गए हैं और अब 17 अगस्त से केस की सुनवाई चलेगी। इस मामले में पीड़िता ने आरोपित पर दुष्कर्म की धारा के तहत भी केस चलाए जाने की भी मांग की थी, लेकिन उसकी यह मांग कोर्ट ने खारिज कर दी। दरअसल, दो साल पहले हरियाणा खेल विभाग की एथलेटिक्स कोच ने पूर्व मंत्री पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। उसकी शिकायत पर सेक्टर-26 थाना पुलिस ने 31 दिसंबर 2022 को संदीप सिंह के खिलाफ कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। शिकायत में महिला ने बताया कि 1 जुलाई 2022 को संदीप सिंह ने उसे अपने सेक्टर 7 स्थित सरकारी घर पर बुलाया और उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी थी और कथित तौर पर उसके कपड़े भी फाड़ दिए थे। पूर्व मंत्री ने इस मामले में आरोप मुक्त किए जाने की अर्जी भी दायर की थी, जिसमें उन्होंने खुद को बेकसूर बताया था। ये अर्जी कोर्ट ने रद्द कर दी। संदीप सिंह ने अर्जी में कहा था कि शिकायतकर्ता महिला पहले भी मामूली बातों पर कई लोगों के खिलाफ शिकायत दे चुकी है। उनके खिलाफ छह महीने की देरी से एफआईआर हुई थी। यानी पूरी योजना बनाकर उन्हें झूठे केस में फंसाया गया था। उन्होंने कहा कि महिला कोच की पोस्टिंग और विदेश में ट्रेनिंग जैसी मांगों को उन्होंने नहीं माना, इसलिए उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। सोमवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ जिला कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं। अब उनके खिलाफ 17 अगस्त से मुकदमा शुरू होगा।

कावड़ लाने की परंपरा सनातन धर्म को मजबूत करती है : राजीव जैन

सोनीपत (हिंस)। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि कावड़ में गंगा का जल लाकर महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। कावड़ लाने की परंपरा सनातन धर्म को मजबूत करती है। राजीव जैन ने सोमवार को वेस्ट राम नगर, कबीर भवन बस अड्डा एवं एस.के फिटनेस जिम कामी रोड पर डाक कांवड़ियों के जत्थे को रवाना करने के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान शिव ऐसे देवता है जो जल फूल पत्तियों से ही प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। भगवान शिव सृष्टि का सृजन भी करते हैं और क्रोधित होकर विनाश भी।

सफाईकर्मियों की हड़ताल का असर : अलवर शहर की सड़के कचरे में हुई तब्दील, कूड़े के ढेरो से उठ रही हैं बदबू

अलवर (हिंस)। सफाई कर्मियों की हड़ताल का असर अब दिखने लगा है शहर की सड़क कचरे में तब्दील हो गई है। शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। इन ढेरों से कचरा उड़ कर सड़कों पर फैल रहा है। गली मोहल्ले सहित कॉलोनी, मुख्य बाजार सभी जगह यह हालत देखने को मिल रहे हैं। अलवर जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहरों से भरे इतिहास के लिए जाना जाता है लेकिन पिछले कुछ दिनों से ये खूबसूरत शहर बदबू से भर गया है। वजह है सफाई कर्मचारियों की जारी हड़ताल। कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने के लिए यहां कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं। यह हड़ताल प्रदेश व्यापी हैं। इस वजह से पिछले कई दिनों से शहर के कई जगहों से कचरे का उठाव नहीं हुआ है। इस कारण पूरा शहर ही बदबू से भर गया है। जगह जगह कचरे के ढेर लगे हुए है और उनमें विचरण करते जानवर मानो कोढ़ में खुजली का काम कर रहे हैं। शहर में कई दिनों से सड़क से कचरा ना उठाए जाने की वजह से गंदगी का अम्बार लगा हुए हैं।जगह-जगह कचरे के कंटेनर भर चुके हैं। नगर निगम ने सफाई कर्मियों के यूनियन पदाधिकारियों से बातचीत कर सुलह करने की कोशिश की लेकिन वो नाकामयाब हो गई। नगर निगम आयुक्त बजरंग सिंह ने कहा कि सफाई कर्मचारियों द्वारा काम नहीं किए जाने पर उन्हें सैलरी भी नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट का आदेश नहीं मानने के बाद ये फैसला लिया गया है। अगर अभी भी ये हड़ताल जारी रही तो कर्मचारियों की सैलरी से भी पैसे काटे जायेंगे। अलवर नगर निगम के ऑटो टिपर जो रोजाना शहर की कॉलोनी में घूम कर घरों से कचरा एकत्रित करते हैं। वह भी हड़ताल पर हैं। ऐसे में ऑटो टिपर के नहीं आने से घरों में कचरे के देर लग गए हैं। अब लोग घरों का कचरा निकलकर रोड पर लगे कचरे के ढेरों में फेंकने लगे हैं। जिससे सफाई के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। इन दिनों आम जनता इस गंदगी से परेशान होकर नेताओं को कोष रहिए। आमजन का कहना है कि अलवर जिले ने केंद्र सरकार में और राज्य सरकार में दोनों में मंत्री दिए हैं लेकिन इसके बावजूद भी सफाई कर्मियों की समस्याओं का कोई हल नहीं निकल रहा। जिस कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन को कोई वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। जिससे आमजन को राहत की सांस मिले।

बिहार के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने पदभार ग्रहण किया, हुआ भव्य स्वागत

पटना (हिंस)। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल का सोमवार को दिल्ली से पटना पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।स्वागत के बाद दिलीप जायसवाल ने भाजपा कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। भाजपा कार्यालय में उन्हें चांदी का मुकुट भी पहनाया गया है। पार्टी कार्यालय में स्वागत की जबरदस्त तैयारी की गई है। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी पहुंची हैं। ढोल-नगाड़े से उनका यहां स्वागत किया गया। इससे पहले दिलीप जायसवाल दिल्ली से पटना एयरपोर्ट पहुंचे। यहां स्वागत के लिए डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी भी पहुंचे थे। एक ही गाड़ी पर नए प्रदेश अध्यक्ष समेत दोनों डिप्टी सीएम भी नजर आए। पटना एयरपोर्ट से भाजपा कार्यालय के बीच कई जगहों पर स्वागत भी किया गया। दिलीप जायसवाल पदभार ग्रहण करने के साथ ही भाजपा के लिए बैठकों का दौर शुरू करेंगे। पिछले दिनों नए अध्यक्ष के तौर पर घोषित होने के बाद दिल्ली जाकर पीएम मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बिहार के लिए संदेश लेकर आज पटना पहुंचे। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जगह-जगह पर उनपर फूलों की बारिश की गई। जेसीबी के द्वारा उनपर पुष्पवर्षा की गई। बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री उनके साथ इस रोड शो में मौजूद रहे। महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में उनका भव्य स्वागत किया। दिलीप जायसवाल के स्वागत में विशाल रोड शो भाजपा ने निकाला। ढोल नगाड़े और नारों के बीच भाजपा ने अपने नए प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। दिलीप कुमार जायसवाल के बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सीमांचल के कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है।

गलता कुंड में डूबने से स्कूल छात्र की मौत

जयपुर (हिंस)। गलातगेट थाना इलाके में स्थित गलता कुंड में सोमवार सुबह एक स्कूल छात्र की डूबने से मौत हो गई। जानकारी में सामने आया है कि गलता तीर्थ घूमने आए स्कूल छात्र का पैर फिसलने से कुंड में गिरने से हादसा हुआ। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। एसआई गोवर्धन सिंह ने बताया कि गलता कुंड में डूबने से गांव बरवाड़ा विराट नगर निवासी सुरेंद्र (16) की मौत हो गई। जो प्राइवेट स्कूल में 11वीं क्लास की पढ़ाई कर रहा था और सोमवार सुबह घूमने के लिए गलता तीर्थ आया था। गलता कुंड के पास आने पर पैर फिसलने से वह अंदर गिर गया। जहां गहरे पानी में डूबते हुए लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस टीम की मदद से तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करते हुए एक घंटे की मशक्कत के बाद कुंड से बाहर निकाल एसएमएस अस्पताल पहुंचाया।

बिहार के समस्तीपुर में कपलिंग टूटने से दो हिस्सों में बंटी बिहार संपर्क क्रांति

पटना/समस्तीपुर (हिंस)। पूर्व मध्य रेलवे (पूमरे) के समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के खुदीराम बोस (पूसारोड) स्टेशन के पास सोमवार 10:30 बजे गांड़ी संख्या 12565 बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन इंजन के साथ एक जनरल बोगी को लेकर आगे बढ़ गई जबकि 19 बोगियां वहीं छूट गईं। दरभंगा से 8:30 बजे नई दिल्ली की ओर जाने वाले ट्रेन समस्तीपुर जंक्शन से सुबह 09:55 बजे चली। इसके बाद ट्रेन कर्पूरीग्राम स्टेशन से रन थ्रू पास करते हुए किमी संख्या 46/11 के समीप इंजन अन्य बोगियों से अलग होकर आगे निकल गया। बोगियां बिना इंजन के पीछे खिसकने लगीं। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। लोको पायलट को भी तुरंत इसका पता चल गया। उसने तत्काल ट्रेन रोक दी। इंजन और बोगी को जोड़ने वाली कपलिंग की जांच की। इसके बाद इंजन को बोगी से जोड़कर ट्रेन को रवाना किया। ट्रेन को पूसा स्टेशन पर जांच के लिए रोका गया। इससे ट्रेन के परिचालन में तीन घंटा विलंब हुआ। समस्तीपुर रेल मंडल के रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने बताया कि बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में हादसा कंपलिंग टूटने की वजह से हुआ। इसके कारण ट्रेन के परिचालन में एक घंटे से अधिक विलंब हुई। इसको लेकर सीनियर डीएसटीई को पूरे मामले की जांच का आदेश दिया गया है। ट्रेन संख्या 12565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस कर्पूरीग्राम स्टेशन से रन थ्रू पास करते हुए पूसा स्टेशन से कुछ पहले पहुंची थी। इस बीच ट्रेन का इंजन एक जनरल कोच को लेकर आगे बढ़ गया जबकि 19 बोगियां पीछे छूट गईं। बिना इंजन आगे बढ़ रही बोगी रुकी तो ट्रेन में सवार बड़ी संख्या में यात्री नीचे उतर गए। हालांकि, बाद में ट्रेन के लोको पायलट ने इंजन और एक बोगी को पीछे किया। अलग हो चुकी उन बोगियों को जोड़कर पूसा स्टेशन पर आकर ट्रेन को लगा दी। रेलवे कर्मियों ने पूरे ट्रेन के कपलिंग की जांच की।

सावन में यूजर ने मंगाया शाकाहारी खाना; घर पहुंचा चिकन पालक, मामला गरमाया तो कंपनी ने मांगी माफी

नई दिल्ली।

फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने शाकाहारी खाना ऑर्डर किया लेकिन उसके घर पहुंचा चिकन पालक। उपभोक्ता ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत करते हुए इसकी शिकायत की। जोमैटो की एक महिला यूजर ने अपना अनुभव सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने ईटफिट के जरिए शुद्ध शाकाहारी खाना मंगवाया था लेकिन उनके घर पर चिकन बिरयानी की डिलिवरी की गई। उन्होंने उक्त घटना की जानकारी देते हुए अपनी पोस्ट के साथ जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल व अन्य हितधारकों को भी टैग किया है। दूसरी तरफ दुकानों पर नाम लिखने से लोग कहते हैं कि एहतियात क्यों बरता जा रहा।

एक्स पर अपने पोस्ट में जोमैटो की ग्राहक हिमांशी ने कहा, 'सावन के महीने में चिकन की डिलिवरी पूरी तरह से अस्वीकार्य है।' उसके बाद हिमांशी ने अपनी ऑर्डर की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया, 'जोमैटो पर ईटफिट से पालक पनीर, सोया मटर और मिलेट पुलाव ऑर्डर किया था। पालक पनीर की जगह जोमैटो की ओर से चिकन पालक की डिलिवरी की गई। सावन के महीने में चिकन की डिलिवरी पूरी तरह से अस्वीकार्य है क्योंकि मैंने केवल शाकाहारी खाने का ऑर्डर दिया था।'

रविवार की देर रात शेयर किए गए इस सोशल मीडिया पोस्ट पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी और गड़बड़ी के लिए जोमैटो की खिंचाई की। सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू होने के बाद जोमैटो और ईटफ्रेश ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगी। ईट फ्रेश ने असुविधा के लिए माफी मांगते हुए ऑर्डर की जानकारी शेयर करने को कहा और भरोसा दिया कि इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

जोमैटो ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'हम समझ सकते हैं कि इस गड़बड़ी से आपको कितनी परेशानी हुई होगी। हम आहार संबंधी प्राथमिकताओं को गंभीरता से लेते हैं और हमारा इरादा कभी अनादर का नहीं होता। हमें इस मामले की जांच के लिए थोड़ समय दीजिए, नए अपडेट के साथ जल्द से जल्द हम आपसे संपर्क करेंगे।'

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलो के भाव से टमाटर बेच रही सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के माध्यम से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के दाम पर टमाटर की बिक्री शुरू कर दी है। सरकार ने उभोक्ताओं को सस्ती दर पर टमाटर मुहैया कराने के लिए यह कदम उठाया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव टमाटर बेचने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि एनसीसीएफ के 18 सेंटरों के माध्यम से टमाटर की बिक्री शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने तीन मंडियों से 15000 किलोग्राम टमाटर खरीद कर एनसीसीएफ सेंटरों पर भेजे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में टमाटर टमाटर के भाव 70-80 रुपये किलोग्राम हैं। इसके मद्देनजर सरकार एनसीसीएफ के जनिए एक आदमी को एक किलो टमाटर अभी दे रहा है। उन्होंने बताया कि ये सुविधा दिल्ली-एनसीआर में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वेसे आने वाले 7-8 दिनों में बाजार में टमाटर के दाम कम हो जाएंगे। लेकिन तब तक हम टमाटर भेजते रहेंगे। उधर एनसीसीएफ ने जारी बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर के 16 जगहों पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही तीन मेट्रो स्टेशनों पर स्थिति स्टोर्स में भी सस्ती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की गई है।

इंडियन बैंक को जून तिमाही में 2,403 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष 20224-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 41 फीसदी बढ़कर 2,403 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक को 1,709 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि खराब कर्ज में कमी से अप्रैल-जून तिमाही में बैंक के नतीजे बेहतर रहे हैं। बैंक के मुताबिक पहली तिमाही में इंडियन बैंक की कुल आय बढ़कर 16,945 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 14,759 करोड़ रुपये थी। चेन्नई स्थित बैंक की पहली तिमाही में ब्याज आय सालाना आधार पर 13,049 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,039 करोड़ रुपये हो गई। बैंक के मुताबिक परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में उसकी सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 30 जून, 2024 तक कुल कर्ज पर 3.77 फीसदी थी, जो एक साल पहले 5.47 फीसदी था। बैंक ने बताया कि उसका शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.70 फीसदी से घटकर 0.39 फीसदी पर आ गया। एनपीए घटने के कारण खराब कर्ज के लिए प्रावधान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान 930 करोड़ रुपये से घटकर 896 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 जून, 2023 को 15.78 फीसदी की तुलना में बढ़कर 16.47 फीसदी हो गया है।

आय कर विभाग का कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

नई दिल्ली। आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे। यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है। वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला। ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है। सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है।

कारोबारी दिवस के पहले दिन मार्केट का हाल

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला बाजार सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र में मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दिन के पहले सत्र में ही ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में सफलता हासिल की। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ सपाट स्तर पर बंद हुए।

सोमवार को कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, मीडिया, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, रियल्टी और पावर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर एफएमसीजी, आईटी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 1.17 प्रतिशत उछल कर कारोबार का अंत किया।

सोमवार को बाजार ब्रॉडर मार्केट में जमकर हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 460.06 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 456.92 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 3.14 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,198 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,354 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,701 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,397 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,369 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,028 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 346.93 अंक की बढ़त के साथ मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 81,679.65 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक 575.71 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 81,908.43 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 750 अंक से ज्यादा टूट कर 196.81 अंक की कमजोरी के साथ 81,135.91 अंक के स्तर तक गिर गया। खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से सेंसेक्स 23.12 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,355.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 108.45 अंक उछल कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 24,943.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के पहले सत्र के कारोबार में ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 164.90 अंक की तेजी के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 24,999.75 अंक तक पहुंच गया। 25,000 अंक के ऐतिहासिक स्तर को छूने के पहले ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 225 अंक टूट कर 60.25 अंक की कमजोरी के साथ सोमवार को सबसे निचले स्तर 24,774.60 अंक तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद एक बार फिर खरीदारों ने अपना जोर दिखाया, जिसकी वजह से निफ्टी 1.25 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 24,836.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज 2.78 प्रतिशत, बीपीसीएल 2.77 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.58 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.94 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी 2.36 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.18 प्रतिशत, सिप्ला 1.34 प्रतिशत, आईटीसी 1.22 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पाकिस्तान ने तीन मित्र देशों से 27 अरब डॉलर के कर्ज की शर्तें बदलने की मांग की, यह है कारण

नई दिल्ली।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज हासिल करने के लिए चीन और दो अन्य मित्र देशों के साथ 27 अरब डॉलर से अधिक के कर्ज और देनदारियों की शर्तें फिर से तय करने की मांग की है।

वाशिंगटन स्थित अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पिछले महीने घोषणा की थी कि उसने पाकिस्तान के साथ सात अरब अमेरिकी डॉलर का ऋण प्रदान करने के लिए एक कर्मचारी-स्तरीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसे 37 महीनों के लिए वितरित किया जाएगा। हालांकि, इसके साथ ही आईएफएफ ने कड़ी शर्तें भी रखीं, जिसमें फंड के बोर्ड की ओर से ऋण के लिए अंतिम मंजूरी देने से पहले पाकिस्तान की ओर से कार्रवाई की आवश्यकता थी।

वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने बीजिंग से लौटने के बाद रविवार को मीडिया को बताया कि चीन, सऊदी अरब और यूएई के साथ 27 अरब डॉलर की री-प्रोफाइलिंग के लिए बातचीत चल रही है।

औरंगजेब ने कहा कि पाकिस्तान ने तीनों देशों को पहले ही अपने 12 अरब डॉलर से अधिक के वार्षिक ऋण पोर्टफोलियो को तीन से पांच साल के लिए बढ़ाने के लिए कहा था ताकि हमें आईएमएफ बोर्ड की मंजूरी मिल सके। यह मंजूरी हमें अगले महीने मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने अपने ऋणों की परिपक्वता अवधि- चीन से 5 बिलियन अमरीकी डालर,सऊदी अरब से 4 बिलियन अमरीकी डॉलर और संयुक्त अरब अमीरात से 3 बिलियन अमरीकी डालर- को कम से कम तीन साल तक बढ़ाने का अनुरोध किया है।

औरंगजेब ने कहा कि चीनी पक्ष ने पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा कठिनाइयों को स्वीकार किया और नए व्यापारिक उद्यमों और ऊर्जा क्षेत्र के भुगतान की पुन- रूपरेखा में मदद करना चाहता है, इसके अलावा आईएमएफ बोर्ड में पाकिस्तान के मामले को प्रमुख हितधारकों में से एक के रूप में समर्थन देने में अपनी भूमिका निभाना चाहता है।

औरंगजेब ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र के पुनर्भुगतान का मुद्दा शुरू में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उठाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री ली केकियांग को औपचारिक पत्र लिखे गए थे। हालांकि, मंत्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान भुगतान की री-प्रोफाइलिंग की मांग कर रहा है कि न कि ऋण माफी या ब्याज दर में कटौती की।

देश की डिजिटल इकोनॉमी 2026 तक जीडीपी का 20 फीसदी होगी : आरबीआई रिपोर्ट

मुंबई। भारत की डिजिटल इकोनॉमी वर्ष 2026 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांचवां हिस्सा (20 फीसदी) बनने की ओर अग्रसर है। अभी देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की जीडीपी में हिस्सेदारी 10 फीसदी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

आरबीआई की ओर से वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 'मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट' (आरसीएफ) की प्रस्तावना में यह अनुमान जताया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल जीडीपी के दसवें हिस्से वाली देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था पिछले दशक में दर्ज वृद्धि दरों के अनुरूप 2026 तक जीडीपी का पांचवां हिस्सा बनने की राह पर है।

रिपोर्ट की प्रस्तावना में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा है कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर हो रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस क्रांति को तेजी देने में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी और डेटा खपत की किफायती लागत का योगदान रहा है। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में सबसे अधिक मोबाइल डेटा खपत वाले देशों में से एक है, जहां 2023 में प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह औसत खपत 24.1 जीबी रही। इस रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल क्रांति बैंकिंग बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ावा दे रही है, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कर संग्रह दोनों शामिल हैं। जीवंत ऑनलाइन बाजार उभर रहे हैं और उनकी पहुंच बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 'मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट' की प्रस्तावना में शक्तिकांत दास ने कहा है कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण अगली पीढ़ी की बैंकिंग गतिविधियों का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इससे किफायती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार आ रहा है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर जारी, सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी कीमतें लुढ़कीं

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में सावन के दूसरे सोमवार के दिन भी सोना और चांदी के भाव में गिरावट आई है। सोमवार की गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट 69,140 रुपये से लेकर 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 63,390 रुपये से लेकर 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 70 हजार रुपये के ऊपर और 22 कैरेट सोना 64 हजार रुपये के ऊपर बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 84,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना सोमवार को 69,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 63,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 69,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 63,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना सोमवार को 69,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 63,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 69,040 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 63,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 69,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोमवार को सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना सोमवार को 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से सोमवार को पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी सोमवार को फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान जोरदार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजार में भी खरीदारी का जोर बना हुआ है।

टेक कंपनियों के शानदार नतीजों के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,459.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 176.16 अंक यानी 1.03 प्रतिशत उछल कर 17,357.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 160.93 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,750.27 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,285.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.21 प्रतिशत उछल कर 7,517.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 118.83 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,417.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मजबूती के साथ कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि थाईलैंड के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से वहां के सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,977 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,451.60 के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 921.55 अंक यानी 2.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,588.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 309.93 अंक यानी 1.79 प्रतिशत की छलांग लगा कर 17,331.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 1.36 प्रतिशत उछल कर 2,768.92 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 129.90 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,249.11 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,300.47 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 2,892.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अगस्त में 13 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अगस्त में भी बैंकों में छुट्टियों की भरमार है। इस महीने बैंकों में 13 दिन कामकाज नहीं होगा। देश में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी सहित कई वजहों से अलग-अलग जगहों पर 7 दिन बैंकों में अवकाश रहेगा। इसके अलावा चार रविवार को सप्ताहिक अवकाश और दूसरे और चौथे शनिवार का अवकाश होने की वजह से 2 दिन बैंक बंद रहेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से बैंकों के लिए जारी छुट्टियों की लिस्ट (सूची) के मुताबिक अगस्त माह में कुल 13 दिन बैंक बंद रहेगा। हालांकि, बैंकों में अवकाश के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम और इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा ग्राहकों के लिए 24×7 उपलब्ध रहेगा।

अगस्त महीने में बैंकों की छुट्टियों की सूची- 3 अगस्त - केर पूजा के अवसर पर शनिवार को अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। **4 अगस्त** - रविवार को साप्ताहिक अवकाश की छुट्टी के कारण बैंक बंद रहेंगे। **8 अगस्त** - टेंडोंग लो रम फात के अवसर पर गुरुवार को सिक्किम में बैंक बंद रहेंगे। **10 अगस्त** - महीने का दूसरा शनिवार होने के कारण बैंकों में अवकाश रहेगा। **11 अगस्त** - रविवार को साप्ताहिक अवकाश की छुट्टी की वजह से बैंक बंद रहेंगे। **13 अगस्त** - देशभक्त दिवस के अवसर पर मंगलवार को मणिपुर में बैंक बंद रहेंगे। **15 अगस्त**- स्वतंत्रता दिवस/पारसी नव वर्ष (शहंशाही) के अवसर पर गुरुवार को देशभर में सभी बैंक बंद रहेंगे। **18 अगस्त** - रविवार का साप्ताहिक अवकाश की छुट्टी होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। **19 अगस्त** - रक्षा बंधन/झूलाना पूर्णिमा/बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर का जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को त्रिपुरा, गुजरात, उड़ीसा, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे। **20 अगस्त** - श्री नारायण गुरु जयंती के अवसर पर मंगलवार को बैंक बंद रहेंगे। **24 अगस्त** - महीने का चौथा शनिवार के अवसर पर बैंकों में अवकाश रहेगा। **25 अगस्त** - रविवार का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। **26 अगस्त** -जन्माष्टमी के पर सोमवार को गुजरात, उड़ीसा, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, जम्मू, उत्तर प्रदेश, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ राज्य, झारखंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे। इस तरह अगस्त में 24 से 26 तक लगातार तीन दिन बैंकों में अवकाश रहने वाला है।

क्रिकेट का ओलंपिक हिस्सा बनना सचमुच अभूतपूर्व : राहुल द्रविड़

पेरिस।
भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के खेल कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सराहना करते हुए इसे वास्तव में अभूतपूर्व बताया। द्रविड़ ड्रीम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा का हिस्सा थे, जिसका शीर्षक था ओलंपिक में क्रिकेट - एक नए युग की शुरुआत, जो चल रहे पेरिस ओलंपिक में पहली बार इंडिया हाउस में आयोजित किया गया था।

इंडिया हाउस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में द्रविड़ के हवाले से कहा गया, अगर आपको खेल से उतना ही प्यार है जितना मुझे है, तो आप ओलंपिक के साथ बड़े हुए हैं। मेरी सबसे पुरानी यादें कार्ल लुईस के ओलंपिक जीतने और भारत में टेलीविजन के आने से जुड़ी हैं। हम इन महान एथलीटों को खेलते और खेलते देखने के लिए टेलीविजन सेट से चिपके रहते थे। आप हमेशा एक महान आयोजन का हिस्सा बनना चाहते हैं। क्रिकेट में आपके पास शानदार आयोजन हैं, लेकिन वे व्यक्तिगत आयोजन हैं। इस तरह के माहौल, ऊर्जा और जोश में होना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। पैनल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ ज्योफ एलार्डिस और ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ हर्ष जैन भी शामिल थे।

एलार्डिस ने खेल को आगे बढ़ाने के आईसीसी के दृष्टिकोण के बारे में कहा, आप देख सकते हैं कि टी विश्व कप में यूएसए ने कैसा प्रदर्शन किया और अचानक से क्रिकेट के बारे में न जानने वाले लोग भी यूएसए टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करने लगे। 2028 में ओलंपिक की मेजबानी से पहले, यह पहला वास्तविक बयान था। ओलंपिक की मेजबानी से चार साल पहले यूएसए के पास वास्तव में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट टीम होना वास्तव में एक अच्छा कदम है।

दुनिया के आधे से ज़्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने को बहुत पहले से लंबित बताते हुए जैन ने कहा, आईसीस के 100 से ज़्यादा सदस्य हैं, इसलिए दुनिया के आधे से ज़्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं। यह दुनिया के लिए एक बड़ी जीत है कि एक अरब से ज़्यादा लोग ओलंपिक देखेंगे। यह भारत और क्रिकेट के लिए एक बड़ा क्षण है। यह दुनिया में क्रिकेट के विकास के लिए एक बड़ा क्षण है। जमीनी स्तर पर क्रिकेट को शामिल करने के लिए बहुत ज़्यादा धन खर्च किया जाएगा।

द्रविड़ ने अमेरिका में खेल के प्रति जुनून पर भी बात की और कहा कि वहां इस खेल के प्रति जबरदस्त जुनून है।

अमेरिका में क्रिकेट के प्रति लोगों में अभूतपूर्व जुनून है

भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, हमें पता है कि अमेरिका में क्रिकेट के लिए अविश्वसनीय दर्शक हैं। हम यह सिर्फ अमेरिका से विश्व कप के अन्य आयोजनों में आने वाले लोगों की संख्या से जानते हैं। अमेरिका में इस खेल के लिए बहुत जुनून है। खेल को बढ़ावा देना और अधिक लोगों का खेल खेलना अभूतपूर्व है।

यह वास्तव में अभूतपूर्व है

खुद को खेल प्रशंसक बताने वाले द्रविड़ ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक शानदार खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक : महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में 7वें स्थान पर रहीं रमिता जिंदल

पेरिस। भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल सोमवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं। वह एलिमिनेशन के लिए फ्रांस की ओसेन मुलर के साथ शूट-ऑफ में शामिल थीं और 10.5 अंकों के साथ बाहर हो गईं, जबकि फ्रांसीसी शूटर 10.8 अंक ही बना पाईं। फाइनल के बाद भारतीय शूटर का कुल स्कोर 145.3 रहा। रमिता पहले नौ शॉट के बाद तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन 10वें शॉट में वह मात्र 9.7 अंक ही बना पाईं, जिससे वह सातवें स्थान पर खिसक गईं। लेकिन उन्होंने 10.4 और 10.5 के शॉट के साथ पहले एलिमिनेशन को टालने के लिए घबराहट से लड़ाई लड़ी। अगले कुछ शॉट में, उन्होंने 10.2 के समान स्कोर बनाए और मुलर के साथ बराबरी पर रहीं, लेकिन बाद में शूट-ऑफ में मुलर ने जीत हासिल की। वहीं दूसरी तरफ अर्जुन बाबूता सोमवार को पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर पुरुष एयर राइफल स्पर्धा में पोडियम स्थान के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक टेबल टेनिस : राउंड ऑफ 64 मैच में हारे हरमीत देसाई

पेरिस। भारतीय पैडलर हरमीत देसाई को रविवार रात पेरिस ओलंपिक में टेबल टेनिस पुरुष एकल के 64वें राउंड के मैच में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हरमीत देसाई को फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ़ 11-8, 11-8, 11-6, 11-8 से हार का सामना करना पड़ा। लेब्रन ने पहले सेट से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और मैच को सिर्फ़ 28 मिनट में ही समाप्त कर दिया। 31 वर्षीय भारतीय पैडलर ने शनिवार को प्रारंभिक दौर में जॉर्डन के जैद अबो यमन को सीधे गेम में हराकर पेरिस 2024 के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। लेकिन टेबल टेनिस पुरुष एकल स्पर्धा में आगे बढ़ने में असफल रहे। इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता, जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने चल रहे मेगा इवेंट में 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

बोपन्ना-बालाजी की जोड़ी पहले ही दौर में हारकर हुई बाहर

पेरिस। रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी रविवार देर रात पेरिस ओलंपिक में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर के मैच में हारकर बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर-वेसलिन के खिलाफ सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह खेल 1 घंटे 16 मिनट तक चला। फ्रांसीसी जोड़ी ने अपने तीन ब्रेक-पॉइंट मौकों में से दो को भुनाया, जिससे उन्हें पहला सेट जीतने में मदद मिली। इस बीच, बोपन्ना-बालाजी ने 15 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे वे मैच पर नियंत्रण नहीं बना पाए। दूसरे सेट में फ्रांसीसी जोड़ी ने चौथे और आठवें गेम में बोपन्ना-बालाजी की सर्विस तोड़कर सीधे जीत हासिल की। इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर चल रहे मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया।

जीत में आड़े आया अजीबोगरीब नियम

लक्ष्य सेन की मेहनत गई बेकार, जीत के बावजूद दोबारा खेलना पड़ेगा मैच

पेरिस।
भारत के स्टार बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक 2024 में जीत के साथ आगाज किया था। उन्होंने ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन को हराया था। हालांकि अब लक्ष्य सेन की इस जीत को अमान्य करार दे दिया गया है और उन्हें दोबारा मैच खेलना पड़ेगा। इससे लक्ष्य सेन को तगड़ा झटका लगा है।

लक्ष्य सेन ने केविन कॉर्डन के खिलाफ 21-8, 22-20 से जीत हासिल की थी। लक्ष्य ने पहला सेट काफी आसानी से अपने नाम किया था। दूसरे सेट में केविन ने लक्ष्य सेन को कड़ी टक्कर दी थी और एक समय वो कई प्वॉइंट से आगे भी चल रहे थे लेकिन लक्ष्य सेन ने जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया है। हालांकि इसके बावजूद लक्ष्य सेन की इस जीत को काउंट नहीं किया जाएगा। ओलंपिक के अजीबोगरीब नियम की वजह से उनके साथ ऐसा हुआ है।

दरअसल इंजरी की वजह से केविन कॉर्डन ने पेरिस ओलंपिक 2024 से अपना नाम वापस ले लिया है। इसी वजह से लक्ष्य सेन ने कॉर्डन के खिलाफ जो जीत हासिल की थी, अब उसे नहीं माना जाएगा और लक्ष्य सेन को दोबारा मैच खेलना पड़ेगा। इस बार उनका सामना इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से हो सकता है, जो काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ओलंपिक के इस अजीबोगरीब नियम की वजह से अब लक्ष्य सेन को बाकी प्लेयर्स के मुकाबले एक मैच एक्स्ट्रा खेलना पड़ेगा और इससे उन्हें नुकसान भी हो सकता है।

दरअसल ओलंपिक के नियम कुछ इस तरह के हैं कि अगर कोई खिलाड़ी इंजरी की वजह से एकाध मैच खेलकर बाहर होता है तो फिर उसके साथ जिन-जिन प्लेयर्स ने मुकाबला खेला है, उसे माना नहीं जाएगा। इसी वजह से लक्ष्य सेन की जीत को अमान्य करार दे दिया गया है और उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है। अब दोबारा उन्हें नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। आपको बता दें कि भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में पहला मेडल मिल चुका है। शूटिंग में भारत की मनु भाकर ने टीम इंडिया को कांस्य पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में इतिहास रचा।

हरमनप्रीत के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की बदौलत भारत ने अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 59वें मिनट में किये गए गोल की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां यवेस-डू-मानोइर स्टेडियम में पूल बी के मैच में अर्जेंटीना को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। लुकास मार्टिनेज (22%) ने शुरुआत में ही अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच 3-2 से जीतने के आत्मविश्वास के साथ मैच में उतरते हुए भारत ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया, जिसमें युवा भारतीय फॉरवर्ड ने जोरदार हमला किया, लेकिन अर्जेंटीना की गतिरोध को तोड़ना एक संघर्ष था। इस बीच, अर्जेंटीना, जिसने अपना पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया से 0-1 से गंवाया था, शुरुआती हूटर से ही भारत को दबाव में रखने के लिए अधिक दृढ़ संकल्पित दिख रहा था। पहला क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद, भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत 19वें मिनट में लगातार पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) हासिल कर की, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंटियागो ने भारत के कप्तान को गोल करने से रोके रखा। मैच के 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने डिफेंडर हरमनप्रीत को चकमा देते हुए सर्कल में जगह बनाते हुए गोलकीपर श्रीजेश को छकाकर बेहतरीन गोल किया और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने इस क्वार्टर में बराबरी करने के लिए कुछ संभावित प्रयास किए, लेकिन अर्जेंटीना की बैकलाइन पूरे समय दृढ़ रही। पहले हॉफ की समाप्ति पर अर्जेंटीना की टीम 1-0 से आगे रही। हॉफ टाइम के बाद भी भारत का संघर्ष जारी रहा, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। अंतिम क्वार्टर पूरी तरह से नाटकीय था, फिर भी भारत के लिए तनावपूर्ण था क्योंकि भारतीय टीम अभी भी बराबरी करने की कोशिश में थी, लेकिन अर्जेंटीना के डिफेंस को वे भेद नहीं पा रहे थे। अंतिम कुछ क्षण काफी रोमांचक रहे क्योंकि भारत ने पीसी की झड़ी लगा दी और आखिरकार आखिरी समय में बढ़त बनाने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन किया और शक्तिशाली ड्रैग के साथ गोलकीपर सैंटियागो को छकाते हुए शानदार गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी दिला दी। आखिरी में किए गए इस गोल ने स्टैंड में मौजूद भारतीय प्रशंसकों के बीच जश्न का माहौल बना दिया। भारतीय टीम अपने अगले मैच में मंगलवार, 30 जुलाई को आयरलैंड से भिड़ेगी।

नडाल और जोकोविच का होगा आमना-सामना, 2022 के बाद पहली बार एक दूसरे के सामने होंगे

पेरिस।
स्पेन के स्टार राफेल नडाल और 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच का पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल वर्ग में सामना होगा। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 2022 के बाद पहली बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। स्पेनिश स्टार राफेल नडाल ने अंतिम मिनट में एकल में खेलने का फैसला करते हुए रविवार को पहले दौर के मैच में मार्टन फुकसोविक्स पर जीत दर्ज की।

नडाल ने यहां 14 बार रोलां गैरों की लाल बजरी पर रिकॉर्ड फ्रेंच ओपन खिताब जीते हैं। उन्होंने फुकसोविक्स पर 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। नडाल का दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाकर स्वागत किया जिनमें से कई ने अपने फोन के कैमरे से उस पल को कैद किया जब वह कोर्ट फिलिप चैटियर में पहुंचे। नडाल और अल्कारेज की जोड़ी ने युगल के पहले दौर में शनिवार को अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी को 7-6, 6-4 से मात दी थी। और साढ़े 18 घंटे बाद नडाल फिर से एकल खेलने कोर्ट पर थे जिसमें खेलने को लेकर पहले स्पष्टता नहीं थी।

नडाल और जोकोविच पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा समय के दिग्गज खिलाड़ी हैं। इन दोनों के नाम ओपन एरा में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के रिकॉर्ड दर्ज हैं। हालांकि, जोकोविच सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने के मामले में नडाल से आगे चल रहे हैं, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी को लाल बजरी का बादशाह कहा जाता है इसलिए इस सतह पर नडाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। नडाल की तुलना में जोकोविच ने पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा मैच खेले हैं। जोकोविच ओलंपिक से पहले फ्रेंच ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें अल्कारेज से हार का सामना करना पड़ा था। नडाल और जोकोविच के बीच पिछली बार 2022 में रोलां गैरों के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला खेला गया था जिसमें नडाल ने चार सेटों में जीत दर्ज की थी। जोकोविच और नडाल के फिलहाल जीत हार का रिकॉर्ड 30-29 का है और सर्बियाई खिलाड़ी मौजूदा समय में नडाल से आगे हैं।

नडाल ने कहा कि जोकोविच इस मैच में दावेदार हैं। उन्होंने कहा, %हम दोनों के लिए स्थिति पूरी तरह अलग है। जोकोविच काफी प्रतिस्पर्धी हैं और पिछले दो साल से मैं इतना प्रतिस्पर्धी नहीं हूं। इसलिए जोकोविच इस मैच को जीतने के बड़े दावेदार हैं। जोकोविच ने कहा कि नडाल हमेशा से उनके करियर में सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी रहे हैं। उन्होंने कहा, जब तक हम दोनों खेल रहे हैं, नडाल मेरे सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी हैं।

अगली आईसीसी बैठक की मेजबानी करेगा बांग्लादेश : नजमुल

ढाका।
बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा कि बांग्लादेश अगली आईसीसी बोर्ड बैठक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और साथ ही खेल की शासी संस्था के चुनाव होने की भी संभावना है।

ग्रेग बार्कले आईसीसी के वर्तमान अध्यक्ष हैं। नवंबर 2022 में, बार्कले को सर्वसम्मति से दूसरे दो साल के कार्यकाल के लिए आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, जो इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है।

नजमुल ने सचिवालय में एक अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संवाददाताओं से कहा, यह पुष्टि हो गई है कि अगली आईसीसी बोर्ड बैठक ढाका में होगी। संभवतः आईसीसी चुनाव भी यहीं होंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आईसीसी चुनाव यहीं होंगे क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष की यह आखिरी बोर्ड बैठक होगी। हमें इस समय तक अपना चुनाव जनादेश देने की उम्मीद है। नजमुल ने आगे बताया कि आईसीसी देश में अशांति को लेकर चिंतित है, लेकिन आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में उनकी मौजूदगी ने शासी निकाय को आश्वस्त किया है कि बांग्लादेश आगामी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी की योजना पर काम कर रहा है।

इससे पहले, बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी और बीसीबी महिला विंग के अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी नाडेल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की थी। ऐसी खबरें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सदस्य बांग्लादेश में स्थिति पर नजर रख रहे हैं, जहां

सरकार को सड़कों पर लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य के मामलों को नियंत्रित करने के लिए पिछले सप्ताह आपातकाल लगाना पड़ा था, जिसे अभी तक हटाया नहीं गया है। नजमुल ने इसे पूरी तरह से नकारा नहीं, लेकिन जोर देकर कहा कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि आश्वस्त थे कि श्रीलंका में आईसीसी की बैठक में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट को तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जा सकता है। नजमुल ने कहा, जब मैं वहां गया था, तो देश की स्थिति बहुत खराब थी और बांग्लादेश के साथ बाहर से कोई संवाद नहीं था और उन्हें जो खबरें मिल रही थीं, उससे वे काफी डरे हुए थे। लेकिन मुझे देखने के बाद उन्होंने कहा कि कम से कम उन्हें यकीन है कि देश में सब कुछ ठीक है। इसके बाद इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई और वे बस यही जानना चाहते थे कि क्या हुआ था। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात महिला विश्व कप है जिसकी मेजबानी हम यहां करेंगे।

टी-20 प्रारूप में 2025 के पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली।
भारत अगले साल टी-20 प्रारूप में पुरुषों के एशिया कप की मेजबानी करेगा, जबकि यह टूर्नामेंट 2027 में बांग्लादेश में 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी प्रायोजन अधिकार दस्तावेज़ के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण के अनुसार, कुल 13 मैच टूर्नामेंट में होंगे जिसमें छह टीमें - भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान भाग लेंगी और छठी टीम क्वालीफाइंग इवेंट के ज़रिए चुनी जाएगी।

हालांकि तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया है कि देश में मानसून का मौसम खत्म होने के बाद सितंबर में इसे आयोजित किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) 2023-27 के अनुसार, भारत का अगले साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है, क्योंकि जनवरी-फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज होगी, उसके बाद फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी होगी।

आईपीएल खत्म होने के बाद, टीम जून से अगस्त तक इंग्लैंड का दौरा करेगी और फिर तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए बांग्लादेश जाएगी। इसलिए, एशिया कप बांग्लादेश सीरीज के बाद और अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले आयोजित होने की उम्मीद है। हालांकि, बीसीसीआई के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि संभावित स्थलों के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि 2026 में कोई पुरुष एशियाई टूर्नामेंट नहीं होगा, उस साल महिला एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा, उसके बाद पुरुषों का अंडर-19 और इमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट होगा।

पिछले साल, एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर कुछ मैचों की मेजबानी की थी, जबकि भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर खिताब जीता था।

भारतीय खिलाड़ी को इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिली बड़ी उपलब्धि

1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बने यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली।
भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस कैलेंडर वर्ष में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

जायसवाल ने पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी 20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। बारिश से प्रभावित मैच में 8 ओवर में 78 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, जायसवाल ने सिर्फ 15 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 30 रनों की तेज पारी खेली। उनके रन 200.00 के स्ट्राइक रेट से आए।

94.54 की स्ट्राइक रेट से बनाए रन

इस साल सिर्फ 13 मैचों में, जायसवाल ने 63.93 की औसत और 94.54 की स्ट्राइक रेट से 1,023 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है। विशेष रूप से, ये सभी टेस्ट और टी-20 में उनके प्रदर्शन से आए हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक अपना वनडे डेब्यू नहीं किया है।

कुसल मेंडिस दूसरे नंबर पर

दूसरे नंबर पर, श्रीलंकाई खिलाड़ी कुसल मेंडिस (26 मैचों में 888 रन, छह अर्द्धशतक के साथ) और तीसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (25 मैचों में 844 रन, एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ) हैं।

इस साल छह टेस्ट मैचों में जायसवाल ने 11 पारियों के बाद 74.00 की औसत से 740 रन बनाए हैं। इसमें दो

दोहरे शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है। सात टी20आई में उन्होंने 47.16 की औसत से 283 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और 175.77 की स्ट्राइक रेट शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77* है।

मैच की बात करें तो भारत ने श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। कुसल परेरा (34 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 53 रन), पथुम निसांका (24 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 32 रन) की शानदार पारियों और उनकी 64 रन की साझेदारी ने श्रीलंका को शानदार शुरुआत दिलाई। परेरा और कामिंडु मेंडिस (23 गेंदों में 26 रन, चार चौके) के बीच एक और 50 रन की साझेदारी के बाद, टीम इंडिया ने दबदबा बनाना शुरू किया और 130/2 की शानदार स्थिति से श्रीलंका को 20 ओवरों में 161/9 पर रोक दिया।

जीत में जायसवाल का अहम योगदान

भारत के लिए रवि बिश्नोई (3/26) ने बेहतरीन गेंदबाजी की। हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को दो-दो विकेट मिले। बारिश के बाद तय की गई नई खेल परिस्थितियों में आठ ओवरों में 78 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, जायसवाल (30), कप्तान सूर्यकुमार यादव (12 गेंदों में 26 रन, चार चौके और एक छक्का) और हार्दिक पांड्या (नौ गेंदों में 22* रन, तीन चौके और एक छक्का) ने भारत को नौ गेंद शेष रहते तीन विकेट से जीत दिलाई। बिश्नोई को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

कैसे काम करती है चुम्बकीय चिकित्सा

संतुलन ही स्वास्थ्य का मूलाधार है और रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है। शरीर में जमे अनावश्यक तत्वों को बाहर निकालने एवं शरीर के सभी अंगों को संतुलित कर शारीरिक क्रियाओं के नियंत्रित रखना जरूरी होता है। चुम्बकीय चिकित्सा इन सभी कार्यों को करने में प्रभावशाली होता है। शरीर में चुम्बकीय ऊर्जा का असंतुलन और कमी अनेक रोगों का मुख्य कारण होती है। यदि इस असंतुलन को दूर करके अन्य माध्यम से पुनः चुम्बकीय ऊर्जा उपलब्ध हो जाए तो रोग दूर हो सकते हैं। चुम्बकीय चिकित्सा का यहीं सिद्धान्त है।

हजारों सालों से प्राकृतिक और प्रभावी रूप से दर्द से राहत पाने के लिए चुंबकीय चिकित्सा का इस्तेमाल किया जा रहा है। चुम्बकीय चिकित्सा, शारीरिक दर्द को कम करने के साथ सर्कुलेशन को बढ़ाने, एलर्जी और हार्मोन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए भी इस्तेमाल की जा सकती है। काफी संख्या में चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, वैद्य, पशु चिकित्सक और खेल से जुड़े लोग इसका इस्तेमाल करते है।

चुम्बकीय चिकित्सा के लाभ

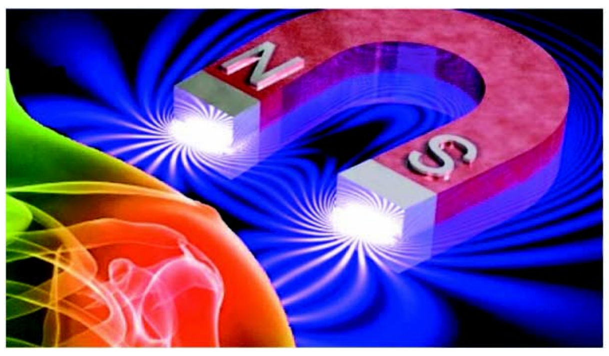

एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर जैसी चिकित्सा विभिन्न रोगों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। चुम्बकों में भी रोगों के उपचार की क्षमता है। चुम्बकीय चिकित्सा के इस्तेमाल का इतिहास बहुत पुराना है। यूनानी लोग चुम्बक मस्तिष्क पर लगाकर सिरदर्द ठीक किया करते थे। मसल्स की सूजन कम करने के लिए उस पर चुम्बक रखा जाता था। आज भी चुम्बकीय चिकित्सा के गुणों के कारण इसका प्रयोग से जोड़ों के दर्द, अर्थराइटिस और बढ़ी हुई यूरिक एसिड का इलाज किया जाता है। आज भी लोग चुम्बकीय चिकित्सा से इलाज के लिए चुम्बकीय पेटी, चुम्बकीय जूते, चुम्बकीय ब्रेसलेट्स और नेकलेस का प्रयोग करते हैं, जिससे अदृश्य चुम्बकीय रेखाएं परोक्ष रूप से हमारे शरीर पर पॉजिटिव प्रभाव डालकर बिना ऑपरेशन दर्द और बीमारियां को ठीक कर देती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जिनिया के बायोमेडिकल इंजीनियर्स ने चूहों पर चुम्बकीय प्रयोग करके निष्कर्ष निकाले कि चोट लगने पर जो टिशु सूज जाते हैं। अगर उनपर चुम्बक रख दिया जाएं तो सूजन को कम किया जा सकता है। अधिक शक्ति वाले चुम्बकों का प्रयोग चोट को जल्दी ठीक करने में सक्षम होता है। इस प्रकार चुम्बकीय चिकित्सा हमें स्वस्थ रखने में मदद करती है।

इस तरह से चुंबकीय चिकित्सा एक जीवित शरीर पर लागू होता है। यह कई हजार वर्षों से प्रयोग में लाया जाता है। एक प्रोफेशनल चुंबकीय चिकित्सक एक विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में स्पंदित उपकरण का उपयोग करते हैं। जब स्थैतिक चुंबकीय क्षेत्र की तुलना इससे की जाती है तो यह प्रौद्योगिकी शायद ही बेहतर परिणाम प्रदान करती है, यह थेरेपी दर्द के निवारण के लिए प्रभावी होती है और प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया तेज हो जाती है। यह कई सारी परिस्थितियों के उपचार के लिए उपयुक्त होती है। हालांकि, चुंबकीय चिकित्सा सभी परिस्थितियों के लिए सहायता नही कर सकती है।

बेहद खतरनाक है क्रॉस लेग पोजीशन में बैठना

क्या आप भी बैठते वक्त अक्सर अपने पैरों को क्रॉस पोजीशन में रखते हैं। यदि हां, तो सावधान हो जाएं। ये आदत आपकी सेहत के लिये बेहद खतरनाक हो सकती है। अक्सर महिलाएं खासतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर बैठने की इस मुद्रा का इस्तेमाल करना पसंद करती है। लेकिन ताजा अध्ययन के मुताबिक ये बेहद खतरनाक है। इस तरह बैठने से आपकी शारीरिक बनावट पर असर पड़ता है।

अनहेल्दी भी कर सकता है करेले का जूस

करेले का जूस भले ही शुगर के मरीजों के लिए हेल्दी हो, लेकिन लिवर व किडनी के रोगियों के लिए यह अनहेल्दी भी साबित हो सकता है। यह लिवर में एन्जाइम्स के निर्माण को बढ़ा देता है जिससे लिवर प्रभावित होता है। गर्भावस्था के दौरान करेले के ज्यादा सेवन से गर्भपात का खतरा रहता है। करेले में एंटी लैक्टोलन तत्व भी होते हैं, जो गर्भावस्था के दौरान दूध बनने की प्रक्रिया में रुकावट लाता है।

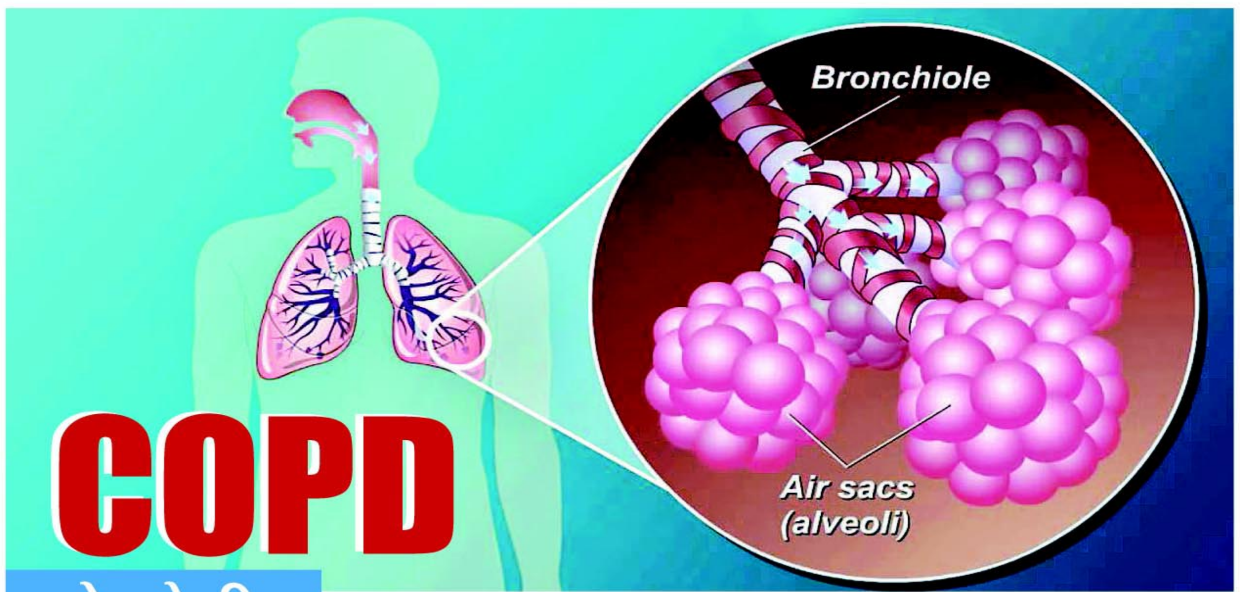

COPD के रोगी आज ही छोड़ें धूम्रपान

सर्दियों में खांसी होना आम बात है। लेकिन लंबे समय तक खांसी अगर आपका पीछा नहीं छोड़ती, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) भी हो सकती है। सीओपीडी फेफड़ों की गंभीर बीमारी है। इसमें सांस की नलियां सिकुड़ जाती हैं और उनमें सूजन आ जाती है। यह सूजन निरंतर बढ़ती रहती है।

क्या है सीओपीडी

क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज को सामान्य भाषा में क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस या फेफड़े की बीमारी भी कहते हैं। यह पुरुषों के लिए जानलेवा है। एंफीसीमा और क्रोनिक ब्रोंकाइटिस इसके दो प्रकार हैं और धूम्रपान इस बीमारी की प्रमुख वजह है। धूम्रपान के जरिए विषाक्त पदार्थ पुरुषों के फेफड़ों को प्रभावित करते हैं, इसके कारण फेफड़े की कोशिकाएं सही तरीके से काम नहीं कर पाती हैं और रक्त में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने वाले छोटे-छोटे वायुतंत्रों में गड़बड़ी आने से सांस लेना तक दूभर होने लगता है। यह फेफड़ों में संक्रमण भी फैलाता है।

सीओपीडी एक खतरनाक बीमारी है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन 2000 के अनुसार भारत में सीओपीडी से मरने वालों की संख्या कैंसर, मधुमेह, हार्ट अटैक और लकवे से मरने वालों की कुल संख्या से भी अधिक है। विश्व में सीओपीडी मौत का छठा सबसे बड़ा कारण है लेकिन 2020 तक आशंका है कि मौत के कारणों में इसका स्थान तीसरा होगा। सीओपीडी न केवल मौत का ही कारण है बल्कि मानव पीड़ा का भी यह एक बहुत बड़ा कारण है। सीओपीडी रोग के अधिक प्रभाव से ग्रस्त व्यक्ति कुछ कदम चलने के लिए भी तरस जाता है। थोड़ा चलते ही सांस बेकाबू हो जाती है।

कैसे पहचानें?

सीओपीडी के प्राथमिक लक्षणों की पहचान करना बहुत ही आसान है। अगर बलगम वाली खांसी लगातार दो महीने से अधिक बनी रहती है और मौसम बदलने पर पिछले दो साल से ऐसा हो रहा हो तो आपको डॉक्टर से तुरंत संपर्क करने की जरूरत है। खांसी के सामान्य सिरप और दवाएं इसमें कारगर नहीं होती। हालांकि ज्यादातर मामलों में सीओपीडी के लक्षण 35 साल की उम्र के बाद ही नजर आते हैं।

सीओपीडी के कारण

धूम्रपान के धुएं की मिलावट फेफड़ों के लिए बहुत घातक होती है। सीओपीडी का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान है। सीओपीडी के लगभग 80 प्रतिशत रोगी ऐसे होते हैं जो धूम्रपान करते हैं। सीओपीडी के 20 प्रतिशत रोगी हालांकि वह धूम्रपान नहीं करते फिर भी धुएं वाले वातावरण में रहने के कारण रोग से ग्रस्त होते हैं।

सीओपीडी का उपचार

धूम्रपान छोड़ना एंव धूएंदार हवा से सांस को बचाना, सीओपीडी की किसी भी अवस्था में रोग की गंभीरता में कमी लाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है। धूम्रपान छोड़ने के बाद फेफड़ों की अवस्था में सुधार आता है। इसके अलावा, वजन कम करना, नियमित व्यायाम और पौष्टिक आहार जैसे फल, प्रोटीन और हरी सब्जिया रोग को दूर करने में आपकी मदद करता हैं।

सीओपीडी रोग के लक्षण

- लगातार होने वाली खांसी
- लम्बे समय तक कफ बलगम और कफ बनना
- सर्दियों में खांसी होना
- कार्य करते समय सांस फूलना।
- धूम्रपान करते व्यक्ति में यह लक्षण बार-बार होने से सीओपीडी रोग की शुरूआत होती है।

क्या है हॉलिस्टिक हेल्थ केयर व इसकी उपयोगिता

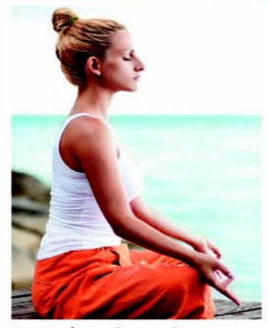

हॉलिस्टिक चिकित्सा वैकल्पिक, प्राकृतिक, प्राचीन व आधुनिक चिकित्सा पद्धति का मिश्रण है। इसके तहत मरीज के अंदर रोगों से लड़ने वाले तत्वों को सक्रिय किया जाता है। इसमें न तो किसी ऑपरेशन की जरूरत होती है और न मरीज को कोई दवा दी जाती है। इस चिकित्सा में एक्यूपंक्चर, यूनानी, आयुर्वेद, सिद्धा, योग, ध्यान, प्राणायाम, रिलैक्सेशन, विजुअलाइजेशन, पंचकर्म, काउंसिलिंग, रिफ्लेक्सोलॉजी, पिरामिडोलॉजी, संगीत, मंत्र, सम्मोहन, वशीकरण, उच्चाटन, समुचित आहार-विहार, प्राकृतिक चिकित्सा आदि का इस्तेमाल किया जाता है। मानव शरीर में एक खास शक्ति (प्राण) का सतत प्रवाह एवं निर्माण होता रहता है।

हॉलिस्टिक चिकित्सा का इतिहास

इस चिकित्सा का मूल सिद्धांत इस प्राणशक्ति को संतुलित रखना है। चीनी भाषा में इस प्राणशक्ति को ची यानी सकारात्मक ऊर्जा कहते हैं। इसमें दो तरह की ऊर्जा निहित होती है। कहा जाता है कि शरीर के भीतर प्राणशक्ति में जब तक समुचित संतुलन व समायोजन बना रहता है तब तक हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और इस संतुलन में गड़बड़ी होने पर हमारे शरीर में बीमारियां घर कर जाती हैं। होलिस्टिक चिकित्सा नियमित रूप से लेते रहने पर दर्द धीरे-धीरे कम होता है और कुछ समय बाद दर्द इतना कम या नगण्य हो जाता है कि मरीज को सामान्य जीवन में कोई दिक्कत नहीं होती है।

हॉलिस्टिक चिकित्सा का फायदा

होलिस्टिक चिकित्सा की विधियां दर्द से प्रभावित क्षेत्र की मांसपेशियों को रिलैक्स होने में मदद करती है तथा शरीर में प्राकृतिक दर्दनिवारक तत्व के उत्सर्जन को बढाती है। इसके अलावा यह प्रभावित भाग में रक्त प्रवाह को बढ़ाती तथा वहां की स्नायुओं की कार्यक्षमता में सुधार लाती है। इसके परिणाम स्वरूप होलिस्टिक चिकित्सा दर्द से तत्काल राहत दिलाने के साथ - साथ शरीर की हीलिंग रिस्पॉन्स को स्पंदित करती है।

इन बीमारियों मे मिलता है लाभ

होलिस्टिक चिकित्सा कमर दर्द, गर्दन दर्द, गठिया, सयाटिका, कैंसर पीड़ा, सिर दर्द, माइग्रेन, इरीटेबल बाउल सिंड्रोम, साइनुसाइटिस, डिस्क समस्या, पेट दर्द, हर्पिज, न्यूरेल्जिया और डायबेटिक न्यूरोपैथी जैसे किसी भी तरह के दर्द का सफलतापूर्वक निवारण हो सकता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में होलिस्टिक चिकित्सा एवं एक्युपंक्चर को कैंसर रोगियों को कष्टों से निजात दिलाने की एक महत्वपूर्ण तरकीब के रूप में माना जाने लगा है। मौजूदा समय में होलिस्टिक चिकित्सा एक सम्पूर्ण चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित हुआ है। होलिस्टिक चिकित्सा में इस बात का ध्यान भी रखा जाता है कि कोई कार्य जब तक आप प्रेम भाव से नहीं करेंगे, तब तक उसमें कामयाब नहीं होंगे।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

रेसिपी

फलाहारी बाल्स

सामग्री

4 कच्चे केले, 2 बड़े आलू उबले छिले व मैश किए हुए, पनीर-100 ग्राम, 1/2 कप साबूदाना (आटा) बारीक पिसा, 1 टी स्पून अदरक, हरी मिर्च पिसी, काली मिर्च पावडर, सेंधा नमक तथा पुदीना पावडर, बारीक कटा हरा धनिया, तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले पनीर के 1-1 इंच के टुकड़े कर लें व हल्का-सा नमक व काली मिर्च बुरका कर रख दें। तेल तथा पनीर छोड़कर सभी सामग्री ठीक से मिला लें व गोले बना लें (जितने पनीर के टुकड़े हों)। 1 गोला लें व हथेली पर फैला लें। इस पर 1 टुकड़ों पनीर रखें व ठीक से बंद कर दें। अब तेल गर्म करें व सुनहरा होने तक हर गोले को तल लें। उतारकर बीच से काट लें व चारों तरफ हरी चटनी से सजाकर गरमा-गरम चटपटे फलाहारी बॉल्स हरी चटनी या रायते के साथ पेश करें।

तालूमेन सूप

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मिली-जुली सब्जियां (फूलगोभी , गाजर , पत्तागोभी , हरी प्याज़ का सफेद भाग), 1/2 कप कसी हुई मीठी मकई, 4 कप क्लीयर व्हेजिटेबल स्टॉक, 1/2 टी-स्पून सोया सॉस, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 3/4 कप कच्चे हक्का नूडल्स, टुकड़ो में तोड़े हुए, 2 टेबल-स्पून तेल, नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **सजाने के लिए**: 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी प्याज़ के पत्ते, **परोसने के लिए**: चिलीस् इन विनेगर, चिली सॉस, सोया सॉस

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन या वॉक मे तेल गरम करें, मिली-जुली सब्ज़ियां डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। मकई, व्हेजिटेबल स्टॉक, सोया सॉस, शक्कर, नूडल्स नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, 8 से 10 मिनट के लिए पका लें। काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। हरी प्याज के पत्तों से सजाकर, चिलीस् इन विनेगर, चिली सॉस और सोया सॉस के साथ तुरंत परोसें।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है ।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटैंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहैवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है । वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**